कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | सोमवार 01 जुलाई 2024 | वर्ष-07 | अंक-1073 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

राज्यपाल ने ममता सरकार से वित्तीय स्थिति पर श्वेतपत्र लाने को कहा

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (कोलकाता): राज्यपाल सी वी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच तीखी नोकझोंक की ताजा कड़ी में राजभवन ने राज्य सरकार को राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र पेश करने का आदेश दिया। वेस्ट बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल वित्तीय संकट से जूझ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने ममता बनर्जी सरकार से राज्य की आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र लाने को कहा। बोस ने इससे पहले नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। उनका बयान इस मुलाकात के बाद आया है।

राजभवन की तरफ से जारी किए गए एक बयान में

राज्यपाल ने कहा, "पश्चिम बंगाल की आर्थिक स्थिति कई राजकोषीय जोखिमों और सार्वजनिक वित्त प्रबंधन के मुद्दों का सामना कर रही है, जो (राज्य) सरकार की गंभीर खामियों को उजागर करती है। वेस्ट बंगाल वित्तीय संकट का सामना कर रहा है और बहुत परेशान करने वाला, स्तब्ध करने वाला है।

बयान में कहा गया है, आर्थिक परिदृश्य की गंभीर प्रकृति को देखते हुए राज्यपाल ने सीएम से संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत प्रदत्त प्राधिकार के तहत, संविधान के अनुच्छेद 166 के तहत पश्चिम बंगाल के लिए कार्य नियम के नियम 30 के साथ मिलकर, मंत्रिपरिषद के समक्ष राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक व्यापक रिपोर्ट पेश करने और राज्य के लोगों की जानकारी के लिए एक श्वेत पत्र जारी करने का आग्रह किया है।

बता दें कि राजभवन का यह बयान राज्यपाल सी वी आनंद बोस द्वारा शुक्रवार (28 जून) को कलकत्ता उच्च न्यायालय में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने के एक दिन बाद आया है। यह मुकदमा बनर्जी के इस दावे के बाद किया गया है कि महिलाओं ने उनसे शिकायत की थी कि वे राजभवन में होने वाली गतिविधियों के कारण वहां जाने से डरती हैं।

ममता ने डिप्टी स्पीकर पद के लिए अवधेश प्रसाद के नाम का सुझाव दिया

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (कोलकाता): लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार के मंत्रियों ने शपथ ग्रहण कर लिया है. इसके साथ ही 18वीं लोकसभा के लिए एक बार फिर कोटा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद ओम बिरला को लोकसभा का स्पीकर बनाया गया, लेकिन डिप्टी स्पीकर को लेकर अभी संशय बना हुआ है. इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने डिप्टी स्पीकर के पद के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) को मौका देने की मांग की.

लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का चुनाव कब होगा ये साफ नहीं है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक दो दिन पहले ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं को डिप्टी स्पीकर पद के लिए फैजाबाद के

सांसद अवधेश प्रसाद के नाम का सुझाव दिया था. हालांकि इसको लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है. माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रताव से समाजवादी पार्टी खुश है और कांग्रेस ने भी इंकार नहीं किया है.

सूत्रों के मुताबिक पहले कांग्रेस ने संकेत दिया था कि के सुरेश को ही स्पीकर के बाद डिप्टी स्पीकर का भी उम्मीदवार बनाया जा सकता है, लेकिन सीएम ममता के प्रस्ताव ने उसकी योजना पर पानी फेर दिया. टीएमसी का मानना है कि कांग्रेस को डिप्टी स्पीकर के चुनाव में सहयोगी दल को मौका देना चाहिए. कांग्रेस सांसद के सुरेश की तरह ही फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद भी दलित समाज से आते हैं और राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या से उनका चुनाव जीतना बीजेपी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है.

परंपरा के मुताबिक लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को मिलता है. स्पीकर के चुनाव के वक्त आम सहमति से पहले विपक्ष ने डिप्टी स्पीकर पद की शर्त रखी थी, लेकिन बात नहीं बनी थी. ऐसे में उम्मीद कम ही है कि विपक्षी गठबंधन को डिप्टी स्पीकर पद मिलेगा. ऐसे में यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के किसी दल से डिप्टी स्पीकर का उम्मीदवार दिया जाता है, तो फिर इंडिया गठबंधन से अवधेश प्रसाद उम्मीदवार हो सकते हैं. सूत्रों के अनुसार इसके लिए इंडिया गठबंधन दबाव बनाता रहेगा.

बीच सड़क पर महिला की बेरहमी से पिटाई, भाजपा और माकपा ने ममता सरकार पर साधा निशाना

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (कोलकाता): बीच सड़क पर एक महिला की पिटाई का खौफनाक वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने ममता बनर्जी की सरकार पर जोरदार हमला बोला है. भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दावा किया गया है कि पीड़ित महिला बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा की नेता हैं. हालाँकि कोलफील्ड मिरर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करती है. विपक्षी दलों सीपीएम और बीजेपी ने कहा है कि यह वीडियो उत्तर बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा का है. सामने आए वीडियो में, एक आदमी एक महिला को बार-बार लाठियों से मारता हुआ दिखाई दे रहा है और वहीं वहा खड़ी भीड़ पूरे घटनाक्रम के दौरान मूकदर्शक बनी हुई है.

सीपीएम और बीजेपी नेताओं के मुताबिक, हमलावर

का नाम तजेमुल है, जिसका तृणमूल कांग्रेस से संबंध है. यह स्पष्ट नहीं है कि वायरल वीडियो में पुरुष और महिला के साथ मारपीट क्यों की जा रही थी. स्थानीय पुलिस ने कहा है कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रहे हैं. इस वीडियो पर अभी तक तृणमूल सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा है कि वीडियो में जो आदमी एक महिला को बेरहमी से पीट रहा है, उसका नाम तजेमुल है... वह अपनी 'इंसाफ' सभा के माध्यम से त्वरित न्याय देने के लिए प्रसिद्ध है और चोपड़ा विधायक हमीदुर रहमान का वो करीबी सहयोगी है.भारत को टीएमसी द्वारा संचालित पश्चिम बंगाल में शरिया अदालतों की वास्तविकता के प्रति जागना चाहिए.बंगाल में कानून-व्यवस्था का कोई नामोनिशान नहीं है। क्या ममता बनर्जी इस राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करेंगी या उसका बचाव करेंगी जैसे वह शेख शाहजहां के लिए खड़ी हुई थीं? चोपड़ा के वीडियो को सीपीएम राज्य सचिव और पूर्व सांसद मोहम्मद सलीम ने भी पुष्टि की है, उन्होंने भी राज्य सरकार पर हमला बोला है.

बांकुड़ा में पुलिस के हत्थे चढ़े अंतर्राजीय गिरोह के दो डकैत

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (खड़गपुर): पिछले कुछ दिनों में राज्य के अलग-अलग हिस्सों में लूट की कई घटनाएं हुई हैं। रानीगंज में आभूषण दुकान में डकैती के दौरान गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने गोली मार दी। लेकिन डकैती नहीं रुकी। इसबार डकैत गिरोह के दो सरगनाओं को डकैती से पहले ही हथियारों से लैस पुलिस ने पकड़ लिया। घटना बांकुड़ा के काटजुरीडांगा इलाके की है। गिरफ्तार लोगों के पास से पुलिस ने एक पाइप गन, तीन राउंड कारतूस, तीन मोबाइल फोन, नकदी और एक बाइक बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों को 7 दिनों के रिमांड पर लिया है।

घटनाक्रम के मुताबिक बांकुड़ा पुलिस टीम ने काठजुरीडांगा से बिहार के दो लोगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति 4 अन्य लोगों के साथ बांकुड़ा के सेनको गोल्ड एंड डायमंड ज्वैलरी शॉप में डकैती करने आए

थे। उन्होंने पहले उक्त दुकान की रेकी की थी और अपराध करने की विस्तृत योजना बनाई थी। सोने की दुकान की पार्किंग के पास पुलिस टीम की नजर उन पर पड़ी तो उनका पीछा किया गया। 4 लोग तो भागने में कामयाब हो गए लेकिन दो लोग पकड़े गए। गिरफ्तार लोगों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपियों में अजीत कुमार (28 वर्ष) पुत्र रामनरेश राय, मनुआ डाकघर - इस्माइलपुर, थाना- हाजीपुर, जिला- वैशाली, बिहार
और नकटा दियारा के नकुल रॉय के पुत्र राहित कुमार रॉय (29) - दीघा, जिला- पटना, बिहार शामिल है।

उनके पास से 3 राउंड बारूद के साथ एक पाइप गन, 1 टीवीएस अपाचे बाइक (संशोधित नंबर प्लेट के साथ और चोरी की) 3 तीन मोबाइल फोन (दो एंड्रॉइड और एक कीपैड मोबाइल) तथा कुछ नकद रुपये बरामद किए गए। पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर कड़ी पूछताछ कर रही है।

प्रधानमंत्री का संकल्प योजना विकसित भारत के तहत मैराथन दौड़

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (रानीगंज): इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टड अकाउंटेंट की ओर से भारत के प्रधानमंत्री का संकल्प योजना विकसित भारत के अंतर्गत आज मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें चार्टड अकाउंटेंट, एवं अन्य कई विद्यार्थीयों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर रानीगंज के वरिष्ठ चार्टर अकाउंटेंट ललित अग्रवाल ने कहा कि इस आंदोलन का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाना और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के करीब लाने का साहसिक संकल्प लेना है। यह इस बात पर जोर देता है कि विकसित भारत की ओर यात्रा एक व्यक्तिगत प्रयास नहीं है बल्कि सभी वर्गों के लोगों को शामिल करने का एक सामूहिक प्रयास है।

संयोजक सीए अजय बगारिया ने कहा कि हम लोगों ने रानीगंज इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट के कार्यालय के समीप, एनएसबी रोड से आज का मैराथन दौड़ शुरू किया। जो नगर का परिक्रमा करते हुए रॉबिंनसेन स्टेडियम में जाकर संपन्न हुआ। जिसमें हिस्सा लेने वाले को पुरस्कृत की गई। हम लोगों ने प्रयास किया है कि एक तरफ चार्टर अकाउंटेंट की शिक्षा क्या है। उनके प्रति छात्रों को जोड़ने का प्रयास किया है। वहीं दूसरी ओर हम लोग संदेश देने का प्रयास किया है कि विकसित भारत बनाने के लिए अर्थव्यवस्था की अति आवश्यकता होती है और यह अर्थव्यवस्था कैसे सुदृढ़ हो इसके लिए हम लोगों ने प्रचार प्रसार की है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट रूबी गढ़वाल ने कहा कि रानीगंज एक ऐसा शहर है जो पूरे भारतवर्ष में सीए के क्षेत्र में अपना विशेष स्थान रखता है। आज रानीगंज को सीए का हब कहा जाता है। देश के कोने-कोने में रानीगंज के सीए ने अपना पहचान बनाई है। आज के इस मैराथन दौड़ का आयोजन यहां करने का एक ही उद्देश्यहै कि यहां से पैगाम पूरे देश को मिले।

इस मैराथन में वरिष्ठ सीए महेश कालोटिया, सीए राजू गढ़वाल, सीए दीपक टोडानी, ने भी हिस्सा लिए।

सरकारी राशन दुकान के बाहर स्थानीय लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (जामुड़िया): परसिया इलाके में एक सरकारी राशन दुकान के बाहर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। वही इस दौरान राशन देने के संदर्भ में लोगों ने लगाए कई गंभीर आरोप। इस बारे में जामुड़िया पंचायत समिति के कर्माध्यक्ष उदीप सिंह ने कहा कि यहां पर राशन मिलने में काफी समस्या हो रही है।

उत्तम बनर्जी के नाम पर जब यहां पर राशन दुकान था, तब लोगों को सही तरीके से राशन मिला करता था, लेकिन उनकी मौत के बाद यहां पर यह समस्या शुरू हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस राशन दुकान के लोग प्रशासन की आंखों में धूल झोंकने के लिए राशन दुकान चल रहे है। थोड़ा बहुत राशन लेकर आते हैं और दिखाते हैं कि राशन दिया जा रहा है, लेकिन वह पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि 2023 के 17 जुलाई को उन्होंने जिला शासक को एक पत्र लिखा था और इस राशन दुकान के ऊपर निर्भर

करने वाले ग्राहकों को हो रही परेशानी के बारे में उनको जानकारी दी थी, तब जिला शासक के हस्तक्षेप से एक दो महीना लोगों को ठीक से राशन मिला लेकिन फिर समस्या शुरू हो गई।

उन्होंने यहां पर नए आए फूड इंस्पेक्टर पर आरोप लगाया कि वह एक षड्यंत्र के तहत यहां के लोगों को 6 किलोमीटर दूर एक अन्य राशन दुकान भेजने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी दिव्यांग के लिए या महिला या बच्चों के लिए 6 किलोमीटर दूर राशन दुकान से जाकर राशन लेना असंभव है। हर कोई चाहेगा कि मोहल्ले में पास के राशन की दुकान से उनको राशन मिले लेकिन एक षड्यंत्र के तहत यहां के लोगों को दूर भेजा जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक स्लिप मिलने के बावजूद लोगों को राशन नहीं मिल रहा है जबकि बायोमेट्रिक स्लिप मिलने का मतलब ही होता है कि ग्राहक को राशन मिल चुका है।

उन्होंने कहा कि इस राशन की दुकान पर 500 के करीब ग्राहक निर्भर हैं, लेकिन इस तरह से उनको परेशान किया जा रहा है, जबकि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सबके लिए निशुल्क राशन का इंतजाम कर रही है, लेकिन निचले स्तर के कुछ लोगों की वजह से ममता बनर्जी की परियोजना सही तरीके से लागू नहीं हो पा रही है और लोगों को परेशानी हो रही है।

वहीं राशन लेने आई एक महिला ने बताया कि तकरीबन 1 साल से उनको इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर महीने पहले राशन मिलता था लेकिन पिछले एक साल से यह समस्या उत्पन्न हुई है। हर महीने उनको राशन नहीं मिलता कभी चावल मिलता है तो आटा नहीं मिलता ऐसे में उनके लिए अपना घर चलना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनके लिए बाजार से भोजन सामग्री खरीदना मुश्किल है ऐसे में अगर उनको इस तरह से राशन से वंचित किया जाए तो वह कहां जाएंगे।

राशन दुकान के कर्मचारी सौमेन आचार्य ने कहा कि उत्तम बनर्जी की मौत के बाद तुषार कांति घोष और उनकी पत्नी रंजन घोष इस राशन दुकान को चला रहे हैं। वह हर महीने जितना राशन उनको भेजते हैं, वह ग्राहकों में बांट देते हैं। कम राशन भेजा जाता है तो इसमें वह कुछ नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्होंने तुषार कांति घोष को कई बार कहा है लेकिन तुषार कांति कहते हैं कि उनको ब्लॉक से कम राशन मिल रहा है।

वही राशन देने से पहले ही बायोमेट्रिक स्लिप देने की बात स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा राशन दुकान के मालिकों के आदेश पर कर रहे हैं। हालांकि अन्य राशन दुकानों में सही तरीके से सामान आ रहा है उनके ही दुकान में सामान क्यों कम आ रहा है इसका वह कोई जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को दूसरे दुकान भेजे जाने के बारे में भी वह कुछ नहीं जानते।इस बारे में उनके पास कोई आंकड़ा नहीं है.

फिरहाद हकीम ने तृणमूल की अंदरूनी कलह सुलझाने के लिए किया हस्तक्षेप

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (कोलकाता): शहरी विकास राज्य मंत्री और कोलकाता नगर निगम के मेयर फिरहाद हकीम ने विधाननगर नगर निगम इलाके में पार्टी की अंदरूनी कलह को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप किया. विधाननगर क्षेत्र में अवैध होर्डिंग्स पर चेयरमैन सब्यसाची दत्ता का नाम लिये बगैर फिरहाद ने कहा कि विधाननगर में सद्भावना की कमी है. विधाननगर की डिप्टी मेयर अनिता मंडल ने एक बार फिर नगर निगम क्षेत्र की सड़कों की खराब स्थिति और नगर निगम बोर्ड की बैठक ठीक नहीं होने को लेकर नाराजगी जतायी. विधाननगर के डिप्टी मेयर ने भी शिकायत की कि नगर निगम का काम करने के बावजूद ठेकेदारों को पैसा नहीं मिल रहा है. दोनों ही मामलों में उनका इशारा मेयर कृष्णा चक्रवर्ती की ओर था. विधाननगर नगर निगम में शनिवार को मेयर, डिप्टी मेयर और चेयरमैन के बीच मतभेद की घटना सामने आने के बाद लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम को सवालों का सामना करना पड़ा. फिरहाद ने विधानगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती और सब्यसाची दत्ता के बीच विवाद को लेकर कहा, 'वहां को ज कमिश्नर हैं, वह कानूनी तौर पर इस मामले को देखेंगे. क्या वैध है और क्या अवैध, यह मेरे लिए यहां बैठ कर समझ पाना संभव नहीं है, जिनके पास लाइसेंस हैं, उनके होर्डिंग होंगे और जिनके पास लाइसेंस नहीं है उनके नहीं. यही मुख्य मुद्दा है.

हथियारों के अवैध कारोबार मामले में भाजपा पंचायत प्रधान सहित छह लोग गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (मालदा): मानिकचक थाने की पुलिस ने हथियारों के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए भाजपा पंचायत प्रधान सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है. जानकारी के अनुसार, मानिकचक थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मानिकचक के हरिपुर इलाके में छापेमारी की और वहां एक आम के बगीचे से छह लोगों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने घटनास्थल से एक सात एमएम की पिस्तौल, आठ राउंड कारतूस और दो बाइक बरामद होने का दावा किया है. गिरफ्तार आरोपियों में नजीरपुर ग्राम पंचायत के भाजपा प्रधान देबाशीष मंडल और तृणमूल युवा के ब्लॉक कमेटी के सदस्य सारवान मंडल भी शामिल हैं. इस बारे में जिला तृणमूल उपाध्यक्ष दुलाल सरकार ने कहा कि मालदा जिले की सीमा बिहार और झारखंड से लगती है. बिहार और झारखंड के बदमाश उन जिलों में चोरी-डकैती की वारदातों को अंजाम देते हैं. भाजपा उन सभी क्षेत्रों में सक्रिय है. ऐसे कई लोग हैं, जो उनके संपर्क में रहते हैं. उन्होंने बंगाल को अशांत करने के लिए ऐसा किया है. इसके खिलाफ राज्य सरकार आवश्यक कदम उठायेगी. वहीं दूसरी तरफ, दक्षिण मालदा जिला भाजपा सह सचिव गौर चंद्र मंडल ने कहा कि यह साजिश है.

विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती की स्वास्थ्य लाभ की कामना को ले मजार पर चादर पोशी

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (पांडवेश्वर): खुटाडीह कोलियरी मुस्लिम समाज कमेटी की ओर से रविवार को पांडवेश्वर के विधायक सह पश्चिम बर्दवान जिला तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती के स्वास्थ्य कामना को लेकर मस्जिद मोहल्ला खुटाडीह से गाजे बाजे के साथ मजार पर चादर चढ़ाने के लिए ब्लाक अध्यक्ष किरीटी मुखर्जी के उपस्तिथि में केंद्रा के छाता धौड़ा मजार पर चादर पोशी की गई,

इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष किरीटी मुखर्जी ने बताया की हमारे विधायक का शल्य चिकित्सा होने की संभावना है उनकी चिकित्सा सफल हो और वे जल्द से जल्द स्वस्थ्य होकर हमलोग के बीच आए इसी कामना को लेकर पांडवेश्वर विधानसभा के सभी जगह से उनके चाहने वाले मंदिरो मस्जिदों में जाकर पूजा और दुआ कर रहे है, आज इसी क्रम में खुटाडीह कोलियरी मुस्लिम कमेटी की ओर से मजार पर चादर पोशी की जा रही है.

इस अवसर पर तृणमूल कांग्रेस नेता जगबंधु घोष, राहुल सिंह, पाले खान, अनिल राम, निताई मंडल, शत्रुदीन अंसारी, आजाद खान, परवीन मोर्या समेत भारी संख्या में कर्मी उपस्थित थे.

तृणमूल नेता आलोक बॉस के निधन से रानीगंज में शोक की लहर

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (रानीगंज): आसनसोल नगर निगम वार्ड संख्या 93 के पार्षद एवं रानीगंज ब्लॉक तृणमूल के पूर्व अध्यक्ष आलोक बॉस के निधन से शिल्पाँचल में शोक की लहर छा गई है। आलोक बॉस, जो लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस के महत्वपूर्ण नेता और समाजसेवी रहे हैं, के अचानक निधन से पूरे क्षेत्र में गहरा दुख व्याप्त हो गया है।

आलोक बॉस रानीगंज में एक सक्रिय तृणमूल नेता थे और वाम विरोधी राजनीति में लंबे समय से जुड़े रहे। बताया जाता है कि वह कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और अंततः उनका निधन हो गया।

आलोक बॉस का योगदान न केवल राजनीति में बल्कि सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने रानीगंज शिल्पाचल के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को शुरू किया और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए। उनके निधन से एक बड़ा खालीपन पैदा हो गया है, जिसे भर पाना मुश्किल होगा। उनके निधन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके निवास स्थान पर शोक व्यक्त करने के लिए पहुंचने लगे। स्थानीय लोगों, पार्टी कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों ने आलोक बॉस के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके निधन पर शोक प्रकट किया और कहा कि पार्टी ने एक सच्चा योद्धा और समाजसेवी खो दिया है।

उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जहां सभी ने उनके प्रति अपनी अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। रानीगंज सीमांचल में शोक के इस माहौल में सभी ने एकजुट होकर आलोक बॉस के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। आलोक बॉस का जाना न केवल तृणमूल कांग्रेस के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों और विकास परियोजनाओं को हमेशा याद किया जाएगा और उनकी कमी हमेशा खलेगी।

आलोक बॉस के निधन पर आसनसोल के मेयर विधान उपाध्याय, उपमेयर अभिजीत घटक, वसीम उल हक, मेयर परिषद सदस्य दिव्येंदु भगत, गुरदास चटर्जी, रानीगंज के विधायक तापस बनर्जी, बोरो चेयरमैन मुजम्मिल शहजादा, ब्लॉक अध्यक्ष रूपेश यादव, पार्षद राजू सिंह और सदन कुमार सिंह समेत अन्य नेता और पार्षदों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

मेयर विधान उपाध्याय ने कहा आलोक बॉस के निधन से हम सभी को गहरा धक्का लगा है। वह एक समर्पित और कर्मठ नेता थे। उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

उपमेयर अभिजीत घटक ने कहा आलोक बॉस का जाना तृणमूल पार्टी के लिए एक बड़ी क्षति है। उनकी मेहनत और समर्पण को हम हमेशा याद करेंगे।

उपमेयर वसीम उल हक ने कहा आलोक बॉस के निधन से हम सभी को बहुत दुख हुआ है। वह एक निस्वार्थ सेवक थे जिन्होंने हमेशा समाज के हित में काम किया।

रानीगंज के विधायक तापस बनर्जी ने कहा, हमने एक सच्चा मित्र और मार्गदर्शक खो दिया है। उनकी कमी को कोई पूरा नहीं कर सकता।

मेयर परिषद सदस्य दिवेंदु भगत ने कहा आलोक बॉस के निधन से कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है। वह एक प्रेरणादायक नेता थे जिन्होंने हमेशा समाज के हित में काम किया।

रानीगंज बोरो चेयरमैन मुजम्मिल शहजादा ने कहा आलोक बॉस का निधन हम सभी के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने हमेशा निस्वार्थ सेवा की और समाज के हर वर्ग के लिए काम किया।

रानीगंज ब्लॉक अध्यक्ष रूपेश यादव ने कहा आलोक बॉस के निधन से हमें एक महान नेता का नुकसान हुआ है। उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

पार्षद राजू सिंह ने कहा आलोक बॉस का जाना हमारे लिए एक व्यक्तिगत क्षति है। उन्होंने हमेशा समाज के कमजोर वर्ग के हित में काम किया।

तृणमूल नेता सदन कुमार सिंह ने कहा आलोक बॉस के निधन से हम सभी को गहरा दुख हुआ है। उन्होंने समाज के हर वर्ग के लिए निस्वार्थ सेवा की।

तृणमूल नेता इंतेखाब खान (बिल्ली) ने कहा कि अलोक बोस हमारे अभिभावक समान थे, उनके स्थान को कोई नहीं ले सकता, उनका हमारे बिच से जाना अपूर्णीय क्षति है, जिसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता।

इंडिया पॉवर ने हुल दिवस के मौके पर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (जामुड़िया): इंडिया पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 'हुल दिवस' के मौके पर अपनी सीएसआर पहल स्वस्थ समृद्धि के तहत वंचित समुदायों के लिए एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

जमुरिया में आयोजित इस शिविर में 500 से अधिक रोगियों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। यह शिविर प्रतिष्ठित संस्थानों और अस्पतालों के डॉक्टरों के नेतृत्व वाली कल्याणकारी संस्था हिंडोल के सहयोग से आयोजित किया गया था। शिविर में निःशुल्क परामर्श, दवा, ईसीजी स्क्रीनिंग, रक्तचाप की निगरानी और अस्थि खनिज की कमी की जाँच की गई। शिविर में उपस्थित डॉक्टरों में ऑर्थोपेडिक प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रशांत कुमार भट्टाचार्य शामिल थे; डॉ. मनिंद्र नाथ रॉय, ऑर्थो और स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ, डॉ. कबिता मुखर्जी, कार्डियोलॉजी; डॉ. अमर रॉय, त्वचा विशेषज्ञ; डॉ. बिधान रॉय, जनरल मेडिसिन; डॉ. सौमेन डे, चाइल्ड केयर विशेषज्ञ और डॉ. चित्रा पॉल, स्त्री रोग मुख्य थे।

आईपीसीएल के पूर्णकालिक निदेशक सोमेश दासगुप्ता ने इस पहल के बारे में बात करते हुए कहा, "हमें समुदाय को वापस देने के अपने प्रयासों पर बहुत गर्व है। इंडिया पावर में हम जरूरतमंदों की सेवा करने के लिए लगातार तरीकों की तलाश कर रहे हैं। चिकित्सा आवश्यकताओं का समान वितरण एक गंभीर मुद्दा है। गुणवत्तापूर्ण परामर्श और दवा तक पहुंच आज भी एक चुनौती है। हम इस अंतर को पाटने में एक छोटा सा हिस्सा कर रहे हैं। मैं हमारे विजन को साकार करने में उनके योगदान और समर्पण के लिए हिंडोल को धन्यवाद देता हूं। इस मौके पर इंडिया पावर के अन्य अधिकारी अयान नाग, रामप्रसाद तिवारी, मृणाल मुखर्जी, अरिंदम कुंडू, अपारुप चटर्जी, मोहना सेनगुप्ता और संजय सिंह उपस्थित रहे.

दिशम आदिवासी गंवाता पांडवेश्वर ब्लाक की ओर से हुल दिवस का पालन

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (पांडवेश्वर): दिशम आदिवासी गांवता पांडवेश्वर ब्लाक कमेटी की ओर से रविवार को केंद्रा पंचायत के रामनगर में हुल दिवस का पालन किया गया,

इस अवसर पर पांडवेश्वर ब्लाक तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष किरीटी मुखर्जी, अंचल तृणमूल कांग्रेस नेता जमुना धीवर मुख्य रूप से उपस्थित थे, नेताओ ने सिंधु कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ अपने संबोधन में कहा की अंग्रेजो के साथ अपनी देश की शान के लिए और अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले सिंधु कान्हु को हम नमन करते है और जय जोहार से सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, तृणमूल कांग्रेस नेताओ ने बंगाल में सभी समाज के साथ एकजुटता का भी जिक्र किया और बंगाल सरकार द्वारा की जा रही कार्यों का जिक्र किया,

इस अवसर पर तृणमूल कांग्रेस नेता सुखराम वीपी, गब्बर खान समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

हुल दिवस पर पदयात्रा

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (रानीगंज): हुल दिवस के मौके पर जामुड़िया आदिवासी कमिटी द्वारा एक विशाल जुलूस निकाला गया । और समाज के विशिष्ट अतिथि समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। जामुड़िया थाना के आईं सी राजशेखर मुखर्जी, एमएलए हरेराम सिंह को सम्मानित किया गया। इसके उपरांत नंदी रोड स्थित नजरूल सत्वार्षिकी भवन मे संगीत और नाट्य अनुष्ठान का भी कार्यक्रम किया गया।

संस्था के सचिव बनेस्वर हेंब्रम ने बताया कि हर वर्ष ३० जून को यह दिवस मनाया जाता हैं और आंदोलन के रूप मे आगे भी संस्कृति को बचाए रखने के लिए आवाज उठाते रहेंगे।

रेलवे सुरक्षा बल उखड़ा की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (उखड़ा): आसनसोल रेल मंडल अंतर्गत अंडाल सैंथिया लाइन स्थित सिदुली गांव बूढी कोठी इलाके में उखड़ा आउटपोस्ट आरपीएफ के नेतृत्व में गांव वासियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया,

इस कार्यक्रम के माध्यम से रेलवे के द्वारा लोगों की सुरक्षा से जुड़े जानकारी दी गई, जिसमें बिना कारण रेलवे लाइन आर पार ना करने हमेशा ओवर ब्रिज का इस्तेमाल करने ट्रेन में सफर के दौरान अपने सामानों के साथ छोटे बच्चों को ध्यान रखने महिला बोगी में पुरुषों को सफर ना करने चलती ट्रेन का पथराव ना करने इसके अलावा बहुत जरूरी होने पर ही चैन पुलिंग का इस्तेमाल करने ट्रेन में सफर करने के दौरान किसी प्रकार की समस्या अगर होती है, तो रेलवे के हेल्पलाइन 139 का इस्तेमाल करना चलती ट्रेन में पत्थर ना फेंकने आदि सभी जानकारी लोगों को दी गई,

इस मौके पर उखड़ा आउट पोस्ट के आरपीएफ प्रभारी रमेश कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम लोगों को जागरूक करने के लिए किया जाता है आसनसोल रेल मंडल के अलावा पूरे भारत में रेलवे के द्वारा इस तरह के जागरूक कार्यक्रम समय-समय पर लगातार किया जाता है ताकि लोग जागरूक हो सके और किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार ना हो सके जिससे कि सफर के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो और वह सतर्क और सुरक्षित रहकर यात्रा कर सके,

सावन मेले के साथ महिला सशक्तिकरण

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (आसनसोल): रविवार को आसनसोल मारवाड़ी महिला समिति द्वारा आसनसोल क्लब में एक दिवसीय सावन मेला आयोजित किया गया. जहाँ विभिन्न राज्य और शहरों की महिला उधमियो द्वारा 50 स्टाल लगाए गए थे, जिसका उद्घाटन आसनसोल नगरनिगम के चेयरमेन अमरनाथ चटर्जी ने फीता काटकर किया. मेले में विभिन्न तरह के आकर्षक परिधान, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, सजावटी एवं खाद्य सामग्री उचित मूल्य में उपलब्ध थे, इसके आलावा बच्चों के लिए भी कई खेल प्रतियोगिताएं और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया. इस सावन मेले में उपमेयर अभिजित घटक के आलावा एसबीएफसीआइ महासचिव जगदीश बागड़ी, आसनसोल चैंबर आफ कामर्स के सलाहकार नरेश अग्रवाल, सिख वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष सुरजीत सिंह मक्कड़, आसनसोल मार्बल एंड हार्डवेयर एसोसिएशन के मुकेश तोदी, हमारा संकल्प के पवन गुटगुटिया, विशिष्ट समाजसेवी शंकरलाल शर्मा, हरिनारायण अग्रवाल, सियाराम अग्रवाल, एवं अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की.

विशेष अतिथि के रूप में पधारे उपमेयर अभिजित घटक ने आसनसोल मारवाड़ी महिला समिति द्वारा आयोजित सावन मेले की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ आने पर काफी अच्छा महसूस हो रहा है, यहाँ हर तरह कि सामग्री उपलब्ध है, साथ ही आसनसोल मारवाड़ी महिला समिति की सावन मेला के पीछे जो उदेश्य है, महिला सशक्तिकरण का, वह तारीफ के काबिल है.

सावन मेले की संयोजिका मधु डुमरेवाल ने बताया कि पिछले सात वर्षो से आसनसोल मारवाड़ी महिला समिति द्वारा सावन मेला का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिला उधमियो को मंच प्रदान कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है.

उन्होंने बताया की आसनसोल समेत आसपास की महिलाएं जो अपने स्तर पर उत्पादन तैयार करती है, या नया व्यापार शुरू करने को प्रयासरत है, उनको एक बेहतर मंच प्रदान किया जा सके, ताकि उनका कारोबार तरक्की करने और उनका उत्साहवर्धन हो सके. उन्होंने कहा कि मेले में बच्चों के लिए भी खेल गतिविधियों और ज्ञानवर्धक गतिविधियां रखे गए हैं, जिससे कि बच्चे हमारे इतिहास के बारे में जान सके.

निधि पसारी ने बताया कि इस सावन मेला में विभिन्न प्रकार के 50 स्टाल लगाए गए हैं, जहां तमाम तरह की उत्पाद उपलब्ध हैं. उन्होंने बताया कि बच्चों को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रतियोगिताए रखी गई, जिसमे बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चो को पुरस्कृत किया गया, साथ ही प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले बच्चो को संतावना पुरस्कार दिया गया. इसके अलावा कुल्टी मदद फाउंडेशन की तरफ से फैशन शो का आयोजन हुआ और हर आगंतुक को एक लकी ड्रा कूपन दिया गया है, जिसका परिणाम कार्यक्रम के समाप्ति के दौरान किया जायेगा.

वार्ड 18 में पानी नहीं मिलने से आम लोगों को हो रही काफ़ी असुविधा

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (नियामतपुर): आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 18 अंतर्गत सीतारामपुर रामकृष्ण पल्ली में पीने का पानी नहीं मिलने से आम लोगों को काफ़ी असुविधा का सामना करना पड़ रहा हैं।

इस संदर्भ में सीतारामपुर रामकृष्ण पल्ली के वासिन्दा पंकज दत्ता ने कहा, मेरी माँ का देहांत हुए 10 दिन हुआ हैं। कुल्टी बोरो नगर निगम कार्यालय में खुद जाकर आवेदन किया हूँ, कि मेरे घर मे लगा निगम का नीला पाइप से पीने का पानी नहीं आ रहा हैं। 18 नंबर वार्ड के कॉउंसिलर को पानी की समस्या से अवगत कराया गया, पर वहाँ भी निराशा ही हाथ लगा हैं, उनका कहना है, आज कल में हो जायेगा।

श्री दत्ता ने कहा एक महीने से मैं बोरो कार्यालय और काउंसिलर के पास कई बार जा चुका हूँ, पर अभी तक मेरे घर में पानी की समस्या बना हुआ है। श्री दत्ता ने कहा इस बीच मेरी माँ का देहांत हो गया हैं। आज घर मे सबसे अधिक पीने का पानी की ज़रूरत हैं परंतु कुल्टी बोरो कार्यालय घर का टैक्स देने को कहकर पानी की समस्या का समाधान नहीं कर रहें है। मै ख़ुद घर चलाने योग्य रुपये कमाता हूँ, पिताजी की उम्र के हिसाब से दवा पानी में ही रुपये ख़र्च हो जाते हैं। श्री दत्ता ने कहा आसनसोल नगर निगम को जनता सेवा प्रथम उद्देश्य होना चाहिए पर नहीं जनता का शोषण और उनकी समस्याओं का लाभ उढ़ाकर निगम का खज़ाना भरने में ज्यादा ज़ोर दे रहें हैं।

लायंस क्लब के अध्यक्ष बने राजेश साव

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (रानीगंज): सोमवार से कोयलांचल का सबसे बड़ा क्लब लायंस क्लब ऑफ इंटरनेशनल के अध्यक्ष सभी के चाहने वाले राजेश साव का कार्यकाल शुरू हो रहा है, प्रथम दिन रानीगंज के डीएवी स्कूल में पौधारोपण के साथ उनका कार्यकाल शुरू होगा। लाइंस राजेश जिंदल एवं अन्य सभी पदाधिकारीयों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश साव पिछले कई वर्षों से समाज सेवा के काम से जुड़े हुए हैं मृदुल भाषी एवं सभी से प्रेम रखने वाले हैं। पूरे 1 वर्ष के कार्यकाल में उनके द्वारा अभूतपूर्व सामाजिक काम किए जाएंगे।

रानीगंज लायंस क्लब इंटरनेशनल का नाम समाज सेवा के क्षेत्र में पूरे लायंस इंटरनेशनल में प्रसिद्ध है यही वजह है कि आज तक रानीगंज लायंस क्लब से कई जिलापाल नियुक्त हो चुके हैं। राजेश की पत्नी स्नेहा साव भी लायंस क्लब की महिला विंग गरिमा की कमांडर है। एवं समाज सेवा का क्षेत्र में उनका भी काफी योगदान है इस शहर वासियों को उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में काफी कुछ दिया है।

नवनियुक्त राजेश साव ने बताया कि अपनी टीम के साथ पूरे वर्ष समाज सेवा का काम में समय दूंगा क्लब के सीनियर सदस्यों की सलाह लेकर और भी तेजी से समाज सेवा का काम किया जाएगा। उनकी धर्मपत्री स्नेहा ने कहा कि अपने पति के साथ कंधा से कंधा मिलाकर समाज सेवा का काम करूंगी।

आज का राशिफल

01 जुलाई 2024
सोमवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन फलदायक रहेगा। कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था व विश्वास से आगे बढ़ेंगे। प्रेरणादाई पुस्तक पढ़ना बढ़िया रहेगा।

वृषभ
दिन उत्तम रहेगा। आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है। अपने रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

मिथुन
दिन अच्छा रहेगा। एक से अधिक स्रोतों से आय करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। दांपत्य जीवन में खुशहाली बढ़ेगी।

कर्क
दिन खुशहाल रहेगा। बिजनेस कामयाबी की बुलंदियों पर होगी। आमोद प्रमोद में ज्यादा मन लगेगा। परिवार में सुख -शांति का माहौल बना रहेगा। अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें।

सिंह
दिन आनंदायक रहेगा। वाणी की मधुरता को बनाए रखना है। बेवजह किसी से उलझने से बचे। आपने पहले कोई निवेश किया है तो उसका पूरा लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
दिन खुशियां भरी रहेगी। अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। अध्यात्मिक कामों में आपकी रूचि बढ़ेगी। अपनी क्षमता पर विश्वास करने से आपके सभी काम बनेंगे।

तुला
दिन सुनहरा रहेगा। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। धन खर्च पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। रिश्तेदार से कोई शुभ समाचार मिलेगा। अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

वृश्चिक
दिन बढ़िया रहेगा। जीवन साथी से काम को लेकर विचार विमर्श करेंगे। परिवार में चल रही समस्या को अपनी सूझ बुझ से सॉल्व करने में सफल होंगे। संतान पक्ष से सुख प्राप्त होगा।

धनु
दिन ठीकठाक रहेगा। कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें। काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे। जीवनसाथी को करियर में सफलता मिल सकती है।

मकर
दिन फेवरेबल रहेगा। बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं। संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में ना करें। राजनीतिक क्षेत्र में अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति का मार्ग प्रसस्त होगा।

कुंभ
दिन अनुकूल रहेगा। खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। पुराने मित्र से मुलाकात होगी। कुछ धन संचय करने में कामयाब रहेंगे। किसी मामले को शांति से सुलझाने की कोशिश करें।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलेगी। कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। ऑफिस के उच्चधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार फायदेमंद साबित होगा।

गणित और कंप्यूटिंग विभाग का मॉडलिंग, विश्लेषण एवं सिमुलेशन पर विशेषज्ञों ने दिया सेल्फ कॉन्फिडेंस

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): गणित और कंप्यूटिंग विभाग द्वारा आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में मॉडलिंग, विश्लेषण और सिमुलेशन पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को झिझक छोड़ने एवं स्वयं पर लगाए गए अवरोधों से बाहर आनेऔर ज्ञान प्राप्त करेने के लिए विशेषज्ञों से बातचीत करने और के उपदेश के साथ संपन्न हुआ।

यह अवसर आज शाम संस्थान के गोल्डन जुबली लेक्चर थियेटर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह का था, जिसमें आईआईटी खड़गपुर के प्रख्यात गणितज्ञ प्रोफेसर ईजीपी राजशेखर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि प्रोफेसर एमके सिंह, डीन (अकादमिक) ने समारोह की अध्यक्षता की।

प्रतिभागियों की सभा को संबोधित करते हुए, प्रोफेसर राजशेखर ने कहा, "विज्ञान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण मानदंड प्रश्न पूछने के डर और विशेषज्ञों से बात करने की झिझक आदि को दूर करना है" और कहा कि सभी समान हैं इसलिए ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया.मेँ किसी को भी किसी से डरने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने आगे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा की अंतःविषय प्रकृति के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा, "वे दिन गए जब केवल कोर बीजगणित में रहने वाले लोग ही बीजगणितीय अभ्यास करने के लिए लगे हुए थे, लेकिन अब अधिकांश कॉम्बिनेटरिक्स हैं जो बीजगणितीय असाइनमेंट और इसके विपरीत के लिए लगे हुए हैं और कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि विभाग अन्य प्रासंगिक डोमेन के विशेषज्ञों के लिए खुल रहे हैं।

राजशेखर ने आगे कहा, "इस प्रकार चीजें बदल रही हैं और गणितज्ञ की भूमिका सीमित नहीं है, जबकि यह दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है" और कहा कि नेशनल मिशन फॉर इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम (लगभग 4000 करोड़ रुपये) और नेशनल क्वांटम मिशन (लगभग 6000 रुपये) में गणितज्ञों के लिए बहुत बड़ा अवसर होगा और यह गणित के एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों के गणितज्ञों की आवश्यकता है" प्रोफेसर एमके सिंह, डीन (अकादमिक) ने अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान कहा, "इस तरह के आयोजन किसी संस्थान के लिए आउटरीच गतिविधि के उद्देश्य को पूरा करते हैं क्योंकि शिक्षण, अनुसंधान, आउटरीच और सहकर्मी धारणाएं किसी भी संस्थान के पाठ्यक्रम के बहुत महत्वपूर्ण तत्व हैं" उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ समय की आवश्यकता हैं और आजकल सभी विभागों को बहुत सारी सार्थक गतिविधियाँ करने के निर्देश दिए गए हैं, उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सुधार और परिवर्तन बुनियादी आवश्यकता है। प्रोफेसर आरके उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, गणित एवं कंप्यूटिंग, जो सम्मेलन के अध्यक्ष भी हैं, ने अपने विभाग के गौरवशाली इतिहास और सम्मेलन की पृष्ठभूमि के बारे में भी प्रकाश डाला।

सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर संजीव आनंद साहू ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि "तीन दिवसीय सम्मेलन में अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों सहित प्रतिभागियों द्वारा कुल 81 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें एनआईटी रायपुर, एनआईटी आंध्र प्रदेश, आईआईटी गुवाहाटी के प्रतिभागी शामिल थे। आईआईटी दिल्ली" और 16 प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

जेबीकेएसएस की केंद्रीय महासचिव उषा महतो के नेतृत्व में कुरमीडीह गांव में बूथ कमेटी मजबुती किया गया

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति इस बार आगामी सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर बिल्कुल तैयारी कर चुकी हैं. इसी दरम्यान झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति केंद्रीय कमेटी के निर्देशानुसार आज़ धनबाद जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा ज़ोंन के बड़ा पिछड़ी पंचायत कुरमीडीह गांव में लगभग दो सौ महिलाओं के उपस्थिति में महिला मोर्चा संगठन विस्तार, प्रखंड कमिटी पंचायत कमेटी और बुथ स्तरीय कमेटी के मजबुती प्रदान करने का निर्णय लिया गया.

केंद्रीय महासचिव उषा महतो के उपस्थिति से बरवाअड्डा ज़ोंन क्षेत्र में महिला मोर्चा संगठन विस्तार को लेकर पुरे बड़ा पिछड़ी पंचायत और बरवाअड्डा ज़ोंन क्षेत्र में उत्साह का माहौल संचार हुआ धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव होगा.

मौके पर उपस्थित झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो, धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, बरवाअड्डा ज़ोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर, छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक आदि सभी ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के महिला मोर्चा संगठन विस्तार गोविंदपुर प्रखंड कमेटी और बूथ स्तरीय कमेटी के मजबुती के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के मिशन और केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के विचारधाराओं को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया और सिंदरी विधानसभा चुनाव में इस बार ऐतिहासिक जीत के लिए संकल्प लिया गया.

मौके पर केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो बरवाअड्डा ज़ोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक अशोक साव गुंज़ा देवी किरण देवी यशोदा देवी राखी देवी रीना देवी गीता देवी संजोती कुमारी रंजू देवी ऐसा बीवी उषा देवी सुनीता देवी शांति देवी लक्ष्मी देवी नोमिता देवी आदि लगभग दो सौ महिलाओं की उपस्थिति हुई.

मृतक के परिजनों से मिली झरिया विधायक

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह मनईटांड धनबाद पहुंचकर सचिन और करण के माता पिता से मिली व शोकाकुल परिवार को ढाढस बंधाया तथा मृत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित किया। विदित हो की दामोदर नदी के मोहलबनी मुक्ति धाम घाट पर दिनांक 21 जून, 2024 (शुक्रवार) को नहाने के क्रम में मनईटांड़ कुम्हारपट्टी के दो युवकों सचिन कुमार और करण कुमार आर्य की डूबने से मौत हो गयी थी। उक्त तिथि को तांती के पुत्र सचिन कुमार (20) व प्रेम कुमार आर्य के पुत्र करण कुमार आर्य (21) कोइरीबांध झरिया निवासी मणिशंकर केशरी की मां नीलम देवी के अंतिम संस्कार में पहुंचे थे।

आम आदमी पार्टी ने मनाया हूल दिवस

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): हूल दिवस का कार्यक्रम धनबाद स्थित आम आदमी पार्टी जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार की आवासीय कार्यालय में मनाया गया, आए हुए अतिथियों ने सिद्धू कानूह के तस्वीर पर माला चढ़ाया तथा पुष्प अर्पित किया गया, तत्पश्चात संगठन पर चर्चा किया गया जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे जिला संयोजक अशोक महतो जिला महासचिव मदन राम जिला संरक्षक सुरेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह सदरे आलम डब्लू अंसारी रॉकी मंडल अरशद राजा जावेद अख्तर नीतिश गुप्ता नीतिश गुप्ता अशोक दास संजय सिंह शाहजहां खान सरफराज अहमद आदि मौजूद थे

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच का मंडल 4 की सभा सह कार्यशाला संपन्न

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): रविवार को वैलेंटिनो ग्रीन होटल, मटकुरिया, धनबाद में धनबाद कोयलांचल शाखा, धनबाद के आतिथ्य में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, झारखण्ड प्रान्त की मंडल 4 की शंखनाद मण्डलीय सभा मंडल 4 के प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय तायल की अध्यक्षता में संपादित की गयी। इस सभा में मंडल 4 की सभी शाखाओं के बीच आगामी कार्यक्रमों को रखा गया। संगठन पर चर्चाएँ हुई। मण्डलीय कार्यशालाएं पर चर्चाएँ हुई।सभी सदस्यों के मध्य खुला सत्र के माध्यम से सभी के विचारों व् सुझावों को प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा सुना गया। इसके पश्चात आतिथ्य शाखा के उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, अधिवक्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर सभा को विराम दिया गया। जिसमे झारखण्ड प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता, प्रांतीय महामंत्री सार्थक अग्रवाल, प्रांतीय सहायक मंत्री विकाश पटवारी,ललित अग्रवाल, पंकज भुवानिया, विवेक लिल्हा, धनबाद कोयलांचल शाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, सचिव सुनीता अग्रवाल एवं आतिथ्य शाखा सह मंडल 4 के सभी 12 शाखा के अध्यक्ष, सचिव एवं सभी सदस्य उपस्थित रहे।

वेतनमान की मांग को लेकर सहायक अध्यापकों ने निकाला मशाल जुलूस

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): राज्य व्यापी आंदोलन के क्रम मे आज 30 जुन हुल दिवस पर राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों में झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला जा रहा है। इस निमित 30 जुन रविवार को हुल दिवस के अवसर पर टुंडी प्रखंड के सहायक अध्यापको ने प्रखंड मुख्यालय से बाजार तक मशाल जुलूस कुलदीप पांडेय अनिल राजवंशी के नेतृत्व मे निकाला गया।मशाल जुलूस में मुख्य रूप से राज्य सदस्य निरंजन दे व सुशील पांडेय उपस्थित हुए। दोनों राज्य सदस्यों ने संयुक्त बयान जारी कर राज्य सरकार को चेताया ओर कहा कि अविलंब वर्तमान सरकार अपने तीन माह मे वेतनमान देने की वादा को पूरा करे अन्यथा इससे भी ज्यादा उग्र आंदोलन की रूप रेखा तैयार की जायेगी।

मशाल जुलूस में राज्य सदस्य सुशील कुमार पांडे, राज्य सदस्य निरंजन दे समेत सैकड़ों सहायक अध्यापकों ने भाग लिया ओर कहा कि टुंडी दिशोम गुरू शिबु सोरेन का आंदोलन की धरती रही है,ओर राज्य के सहायक अध्यापक अब उन्ही के राह मे चलने को वीवश है,झारखंड सरकार बिहार के तर्ज पर वेतनमान जल्द लागू करे,अन्यथा जोरदार आंदोलन होगा।

जुलुस में मुख्य रूप से राजीव सिंह, गिरीश साव, पंकज विश्वकर्मा, सतार अंसारी, अब्दुल रसीद, गाजों सिंह, अशोक महरा, लीलनाथ मंडल, पवन मंडल, मलयाशीस बनर्जी, कोमेश हंसदा, शुशील कुमार, अनोज शर्मा, भागीरथ सिंह, ईश्वर मुर्मु, नंदलाल महतो, सुरेन किस्कू, भानु प्रसाद, अब्दुल सतार, लक्ष्मण प्रसाद, रामचंद्र तिवारी, सुनील मुर्मु, नकुल रविदास, अख्तर अंसारी, एमडी सिराज, शुशील मुर्मु, नीलांबर रजवार, दिनेश कुमार महतो, लखन राय, इंद्रदेव राय, सुभाष महतो, मनोज, कृष्ण, सत्रुधन कुमार, सत्येंद्र चौधरी, परितोष महतो, रामू ओझा, सुभाष रजवार, अनेकों पारा शिक्षक शामिल थे।

हुल दिवस पर मशाल जुलूस निकाल कर सहायक अध्यापकों ने सरकार के खिलाफ किया गया उलगुलान

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले" वादा पुरा- करो सरकार, राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत आज 30 जून 2024 को वेतनमान सहित अन्य मांगो को लेकर झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा बाघमारा -तोपचांची प्रखंड इकाई के कतरास कांलेज से मशाल जुलूस निकाला गया, जिसका नेतृत्व जिला प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख, जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती, रमेश सिंह, बीरेन्द्र शर्मा। छोटन प्रसाद राम कर रहे थे।

आज हुल दिवस पर मशाल जुलूस के माध्यम से आंदोलन का शंखनाद किया गया,अपने पुराने आंदोलन की तरह शंकुल-प्रखंड में सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) की संकल्प सभा होगी। 30 जून हुल दिवस पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों मशाल जुलूस निकाल कर सरकार के प्रतिकार किया गया, अगर मांगो पर सकारात्मक पहल नही की गई तो 20 जुलाई से मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव किया जायेगा।

प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार बनने के तीन माह में वेतनमान देने वायदा कर सवा चार वर्षों में भी पूरा नहीं किया, पिछले चार माह से राज्य में चंपई सोरेन जी की सरकार है, जो स्वयं को हेमंत पार्ट 2 कहते हैं लेकिन इसमें भी पारा शिक्षकों का कुछ काम नहीं हुआ।

जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती वर्तमान समय में राज्य के 62 हजार पारा शिक्षक सरकार बनने के साढ़े चार वर्ष बीतने के बावजूद वेतनमान नहीं मिलने, ईपीएफ तथा अनुकंपा नहीं मिलने, आंदोलन के क्रम में रघुवर सरकार द्वारा किए गए केस वापसी नहीं होने सहित विभिन्न मांगों की पूर्ति नहीं हुआ। उन्होने कहा कि झारखंड में सहायक अध्यापक राजनीति षड़यंत्र के शिकार हुए है, हमारा राज्य खनिज-संपदा रहने के बावजूद यहां के सहायक अध्यापक बदहाल है।

मांग

(1) वेतनमान एवं राज्यकर्मी का दर्जा----- सहायक अध्यापकों को अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्त शिक्षकों के तर्ज पर वेतनमान (9300---34800) एवं बिहार राज्य के तर्ज पर राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान किया जाय।

2- सहायक अध्यापको को कर्मचारी भविष्य निधि का लाभ यथाशीघ्र दिया जाय।

3- झारखण्ड अधिविध परिषद राँची के हठधर्मिता के कारण आकलन परीक्षा के प्रश्नों के त्रुटिपूर्ण उत्तर के संशोधित परिणाम यथाशीघ्र जारी करने के साथ-साथ आकलन उत्तीर्णता के प्रमाण पत्र एवं द्वितीय आकलन परीक्षा आयोजित किया जाय। द्वितीय आकलन परीक्षा में ईडब्ल्यूएस एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियमानुसार अंकों का अधिभार दिया जाए

(4) सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में अंकित प्रावधानों के अनुरूप सहायक अध्यापकों को अनुकंपा का लाभ सहायक अध्यापकों के आश्रितों को योग्यता अनुरूप लचीला किया जाय।

(5) सहायक अध्यापकों के साथ सामाजिक न्याय करते हुए आंगनबाड़ी सेविका/ सहायिका की तरह सेवानिवृत्ति 65 वर्ष किया जाय,

6-बिहार सरकार के नियोजित शिक्षकों की तरह सीटेट एवं आकलन उत्तीर्ण सहायक अध्यापकों को टेट के समतुल्य लाभ दिया जाय।

बैठक में मुख्य रूप से परितोष महतो, संजय सिंह, बलराम महतो, साजीद शेख, नरेंद्र सिंह (गुड्डू) इम्तियाज शेख, जितेन्द्र सिंह कार्तिक रवानी, पिंकी कुमारी, प्रतिमा कुमारी, मुनमुन सरकार, मंजु देवी, रुबीना बानो, रूबिना कौशर, दिनेश तिवारी, पंकज प्रमाणिक, पुरण महतो, हरभजन सिंह, जयदेव चौबे, इमदाद, गोरखनाथ गुप्ता, ग्रीन्दर यादव, सुनील राम मुख्य रूप से उपस्थित थे।

केशपुर के कुशपोता गांव में ऐतिहासिक हूल दिवस पालित

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशपुर ब्लॉक के इनायतपुर ग्राम पंचायत नंबर 15 कुशपोता गांव में भारत जकात माझी परगना महल के अंतर्गत सरजम पीर नंबर 15 के प्रबंधन में संताल विद्रोह के दो अमर शहीदों सिधू मुर्मू और कानू मुर्मू की प्रतिमा का अनावरण किया गया। साथ ही "हूल दिवस" भी पूरे सम्मान के साथ मनाया गया। प्रतिमाओं का अनावरण केशपुर पुलिस थाने के प्रभारी सहदेव मोदल और एक अन्य अधिकारी शेख अबुल कलाम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने से हुई। भारत जकात माझी परगना महल जिला पलगना स्वपन मांडी एवं आलोक बेसरा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सरजम पीर नंबर 15 के परगना ने शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की लक्ष्मीकांत मुर्मू, जग परगना बाबूलाल टुडू व अन्य माझी परगना सिधु-कानू की मूर्ति स्थापित करने के लिए शिक्षक व संस्कृतिकर्मी नंददुलाल सारेन आगे आये। ऐसा अद्भुत आयोजन क्षेत्र की नेकनीयत जनता एवं माताओं-बहनों के उत्साह से संभव हो पाया। इस दिन को विधिवत श्रद्धा और स्मरण के साथ मनाया जाता है। हूल से संबंधित नृत्य एवं संगीत में क्षेत्र की माताओं, भाईयों एवं बहनों ने भाग लिया। एक शो पार्टी भी थी। ये शो काफी देर तक चला। पूरे आयोजन की कमान परगना महल के दिलीप शरण, विजय मुर्मू व भोलानाथ हांसदा के हाथ में थी। आयोजन को लेकर आसपास के इलाके में काफी प्रतिक्रिया देखी गई।

दुबराजपुर उत्तरांचल क्लब में मिनी क्रिकेट टूर्नामेंट

सेख ओलि महम्मद

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (बीरभूम): टी20 वर्ल्ड कप सीजन में क्लब क्रिकेट की रौनक लौट आई। 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच था। भारत और दक्षिण अफ्रीका आमने-सामने था। जब पूरी दुनिया पर क्रिकेट का खुमार छाया हुआ है। उसी दिन, बीरभूम जिले के उत्तरांचल क्लब दुबराजपुर द्वारा क्लब परिसर में एक रात्रिकालीन नॉक आउट मिनी क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। जिला लोक अधिवक्ता मलय मुखोपाध्याय एवं दुबराजपुर नगर पालिका के मेयर पीयूष पांडे ने फीता काटकर खेल की शुरुआत की। श्री श्री रामकृष्ण आश्रम के शीर्ष सेवक स्वामी सत्यशिबानंद महाराज, दुबराजपुर नगर पालिका के उप महापौर मिर्जा सौकत अली, वार्ड नंबर 2 के पार्षद बुल्टी चक्रवर्ती, शेख नजीर उद्दीन, सागर कुंडू, प्रख्यात वकील स्वरूप आचार्य,

प्रख्यात शिक्षक अरिंदम चटर्जी, उत्तरांचल क्लब के अध्यक्ष देबाशीष मुखोपाध्याय, संपादक कल्याण चक्रवर्ती, खेल संपादक भुवन बाउरी सहित क्लब के अन्य सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति। इस मिनी क्रिकेट टूर्नामेंट में बीरभूम, पश्चिम बर्दवान, पूर्वी बर्दवान और बांकुड़ा की कुल 16 टीमों ने भाग लिया।

फाइनल में दुर्गापुर की माही 7 स्टार और दुबराजपुर रंजनबाजार की खमार इलेवन की टक्कर हुई। लेकिन तनावपूर्ण मुकाबले में दुर्गापुर की माही 7 स्टार ने दुबराजपुर की खमार इलेवन को हरा दिया और चैंपियन का खेताब हासिल किया। इस दिन, विजेता टीम को 10,000 टका नकद के साथ 5 फीट की तारुलता चटर्जी मेमोरियल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया और विजेता टीम को 8,000 टका नकद के साथ साढ़े 4 फीट गोलाबचंद मेमोरियल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसके अलावा उत्तरांचल क्लब की ओर से मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज और कई अन्य आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। नगर निगम के मेयर पीयूष पांडे और पार्षद बुल्टी चक्रवर्ती ने ट्रॉफी प्रदान की। गौरतलब है कि दुर्गा पूजा थीम के लिए उत्तरांचल क्लब का नाम काफी चर्चा में है। क्लब के अध्यक्ष देबाशीष मुखोपाध्याय ने कहा, लेकिन इस बार से खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कुमारधुबी में इन दिनों बढ़ा चोरों का मनोबल

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (निरसा): कुमारधुबी में इन दिनों चोरों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है।

आए दिन क्षेत्र के अलग अलग स्थानों में आए दिन चोरी की घटनाएं हो रही हैं। बीती रात भी

चोरों ने कुमारधुबी ओपी अंतर्गत शिबलीबाड़ी पूर्वी पंचायत के अंसार मोहल्ला निवासी मो. असलम अंसारी के घर में हाथ साफ कर दिया। भुक्तभोगी मो. असलम अंसारी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि रात में बिजली चली जाने के कारण घर के सभी सदस्य छत पर सोने चले गए, घर में उनकी पत्नी और उनकी बेटी सोई हुई थी। लगभग रात दो बजे के आसपास कोई व्यक्ति घर में घुसा और घर से चार मोबाइल, लेडीज पर्स और घर में रखा बीस हजार रूपए नगद सहित घर के जमीन के कागजात भी चोर ले उड़े है। उन्होंने पंचायत के मुखिया तनवीर आलम को सूचना देने के साथ कुमारधुबी ओपी में चोरी होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

पवित्रम सेवा परिवार ने आयोजित किया पवित्रम वन महोत्सव

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): पवित्रम सेवा परिवार धनबाद के द्वारा रविवार को बरवाअड्डा स्थित गणेश पेट्रोल पंप में पवित्रम वन महोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद सांसद ढुलू महतो की धर्मपत्नी सावित्री देवी उपस्थित थी। मुख्य अतिथि को एक पौधा, श्रीमद्भागवत गीता एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। आयोजन में पौधे लगाने और पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम मे सभी लोगों ने मंत्रों के माध्यम से धरती और पर्यावरण को बचाने का संकल्प किया। सभी उपस्थित लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए अपने जीवन शैली मे बदलाव, एसी का उपयोग कम करने, डिस्पोजल का प्रयोग कम करने, प्लास्टिक का प्रयोग कम करने का संकल्प

लिया। सभी लोगों ने घरों मे खाए जाने वाले आम, जामुन, लीची के बीजों को सुखाने का संकल्प भी किया। मुख्य वक्ता अजय भरतिया ने सभी लोगों से अपने आसपास की स्कूलो, कालेजों, सार्वजनिक स्थानों को चयन कर वहां पवित्रम परिवार के साथ मिलकर पौधारोपण का आह्वान किया सभी संस्थाओं को इस अभियान मे साथ जुड़ने का आह्वान किया। मौके पर उपस्थित बाजार समिति चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल ने बाजार समिति परिसर में एक सौ एक पौधा रोपण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंत्रोचार के साथ पेट्रोल पंप में आम, अनार, आंवला, आदि फलदार पौधा रोपण किया गया। मौके पर मुख्य रूप से संस्था के संस्थापक अजय भरतीया, पर्यावरण संयोजक विपुल कुमार, राकेश खंडेलवाल, वंदना घोषाल, भारती दुबे के साथ ही साथ पवित्रम परिवार के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी आलोक डोकानिया, मनोज मिश्रा, काजल झा, अनिता डोकनिया, विभा अग्रवाल, राशि गुप्ता, ब्रजेश कुमार, राजेश सिह, अमित अग्रवाल, विनोद सिंघल आदि संस्था के दर्जनों सदस्य उपस्थित थे। आयोजन की अध्यक्षता किशन वीरु शंघाई व संचालन जितेंद्र अग्रवाल ने किया।

बिमारी से ग्रसित पत्रकार दीपक से मिलने पहुंचे झामुमो के पदाधिकारी

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): जिंदगी और मौत से जूझ रहे तिसरा क्षेत्र के पत्रकार दीपक कुमार दुबे से मिलने शनिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय सदस्य मुकेश सिंह, संजय सिंह निर्मल रजवार, मुखिया प्रतिनिधि, मनोज सिंह अपने समथको के साथ उनके आवास पहुंचे एवं अपने स्तर से आर्थिक सहायता की।

मुकेश सिंह नाम कहां के इस मामले को लेकर सोमवार को धनबाद उपायुक्त से बात करेंगे मुख्यमंत्री तक मामला को ले जाएंगे। उन्होंने पार्टी एवं आम लोगों से अपील की अधिक से अधिक सहयोग करें ताकि उनका जान बचाई जा सके।नेताओं ने कहा कि इस विकट परिस्थिति में सभी लोगों को मिलकर प्रयास करना होगा यदि सभी लोग मिलकर प्रयास करेंगे तो असंभव काम नहीं है।

बताते हैं कि चांद कुइया कल लोनी के रहने वाले पत्रकार विगत तीन वर्षों बीमारी से ग्रसित हाल हि में हैदराबाद अस्पताल गए थे तो वह डॉक्टर ने लीवर बदलने की बात कही गए जिसमें लगभग 40 लाग रुपया खर्च बताया गया पत्रकार की आर्थिक स्थिति सही नहीं है जिससे कि वे अपना इलाज करा सके, इसलिए समाज के हर वर्ग के लोग, समाजसेवी बुद्धिजीवी, से अपील की गया कि उनकी मदद की जाए ताकि उनकी जान बचाया जा सके। उनके साथ समीर रवानी, सुनील सिंह, चंदन सिंह, संजू सिंह, भाजपा के दशरथ महतो अशोक महतो, गुप्तेश्वर साव झारखंड निषाद विकास समिति के रितेश निषाद, किशन निषाद भी आए।

बरनवाल युवा मंच का 10वां रक्तदान शिविर सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (धनबाद): रविवार को बरनवाल युवा मंच के द्वारा अध्यक्ष मनोज कुमार बरनवाल के वैवाहिक वर्षगाठ के उपलक्ष्य पर बिग बाजार के समीप, सावित्री सर्जीकेयर मेटरनिटी सेंटर एंड हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस उपलक्ष्य पर सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया तत्पश्चात महाराजा अहिबरन जी का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित नीतीश गुप्ता डी एम ओ पाकुर, अरूण बरनवाल ब्यूरो चीफ, डॉ.बीरेंद्र कुमार बरनवाल, दिलीप सुबुखी, मनोज कुमार बरनवाल अध्यक्ष बरनवाल युवा मंच धनबाद के द्वारा दीप प्रज्वलित करके इस कार्यक्रम की शुरुआत किया गया।

अध्यक्ष मनोज बरनवाल ने बताया की ये रक्तदान शिविर संस्था का 10वां शिविर है, आज के इस रक्तदान शिविर में 35 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जो एसएसएनएम ब्लड बैंक को दिया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा मंच के सचिव सुनील बरनवाल, राजेश बरनवाल, समरेंद्र प्रसाद, सुभाष बरनवाल, पवन बरनवाल, दिलीप बरनवाल, रंजीत बरनवाल, डॉ.बीरेंद्र बरनवाल, डॉ.रीना बरनवाल, शशिभूषण बरनवाल, सुमित बरनवाल, प्रशांत बरनवाल, अजीत बरनवाल, एवं मनोज कुमार बरनवाल अध्यक्ष युवा मंच के अलाव पूरे सावित्री सेर्जिकेयर मेटरनिटी सेंटर एंड हॉस्पिटल के सभी स्टाफ, समस्त बरनवाल महिला मंच सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। मनोज कुमार बरनवाल अध्यक्ष बरनवाल युवा मंच धनबाद का सक्रिय योगदान था।

आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति और आर्थिक विकास की जुगलबंदी

प्रगती के नेपथ्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: भारत के कृषि, चिकित्सा, संचार और स्पेस अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वैज्ञानिक उन्नत पद्धति देश की आर्थिक विकास की आधारशिला है और चंद्रयान तीन की चंद्रमा पर पहुंचने की महान सफलता ने न सिर्फ स्पेस रिसर्च में विश्व में भारत को अग्रणी पंक्ति में प्रथम स्थान दिलाया है बल्कि देश के आर्थिक विकास में भी महती योगदान दिया है।

सदियों से हर समाज गरीबी की कठिन परिस्थिति का सामना करता रहा है। गरीबी किसी मनुष्य को इस कदर मजबूर कर देती है कि वह अपने जीवन की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है। इसके कारण भुखमरी कुपोषण और साक्षरता बेरोजगारी जैसी न जाने कितनी समस्या गरीब इंसान खेलता है। प्राचीन काल से ही की उत्तम शासन का लक्ष्य गरीबी हटाना व प्रजा के दुख दर्द हटाने के उचित उपाय करने को माना गया है। कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में लिखा है कि प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है, प्रजा के हित में ही उसे अपना हित देखना चाहिए। इसीलिए अशोक महान से लेकर अकबर और वर्तमान प्रजातंत्र में हर प्रधानमंत्री गरीबी हटाने के मूल मंत्र को लेकर आगे विकास की बात तय करते हैं। आधुनिक काल में जब शासन कल्याणकारी बनने लगा तो जनता के हित सर्वोच्च लक्ष्य बन गया और गरीबी हटाने के मुहिम जोर शोर से चलने लगे, इसमें काफी हद तक सफलता भी प्राप्त की गई है।

जापान आज की स्थिति में विकसित राष्ट्र माना जाता है। पर इसे देखकर निश्चित तौर पर आश्चर्य होता है की यह एक ऐसा देश है जिसके पास में पर्याप्त प्राकृतिक साधन है न ही सुरक्षित निवास स्थान फिर भी लगातार दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होता है। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यह देश ना जाने कितने भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं का सामना निरंतर करता आया है, इसके बावजूद जापान सफल समृद्धि तथा गौरवशाली राष्ट्र बन चुका है, निसंदेह इसके पीछे विज्ञान तकनीकी का वृहद तथा व्यापक प्रयोग ही है। दूसरी तरफ एशिया, अफ्रीका के कई देश हैं, जिनके पास भरपूर प्राकृतिक संसाधन हैं, वे आज भी गरीबी पिछड़ापन को नहीं हटा पाए इसका एक बड़ा कारण पुरानी शैली पर टिका हुआ विकास है। विज्ञान अपनी क्षमता से विकास के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की ताकत रखता है। पश्चिमी कई देश साधन विहीन होने के पश्चात भी अत्यंत विकसित एवं संपन्न राष्ट्र बने विज्ञान की तकनीकी का भरपूर इस्तेमाल कर वे अपने राष्ट्र को समृद्ध कर पाए हैं। यह तो तय है और स्पष्ट है कि व्यापक गरीबी का निवारण पिछड़े विकास के साधनों से संभव नहीं है, पुराने तरीके जहां अधिक संसाधन समय लेते हैं उसके परिणाम में कम उत्पादन कम मूल्य प्रदान करते हैं। इसीलिए वैश्विक स्तर पर अब विज्ञान आधारित विकास से गरीबी मिटाने तथा विकास की नई इबारत लिखने की प्रतिस्पर्धा बढ़ चुकी है। गरीबी का सबसे भयानक रूप भुखमरी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है किंतु अब विज्ञान के प्रयोग से काफी कम हो चुकी है। भारत जैसा विशाल जनसंख्या वाला देश कभी भूख से कराह रहा था, पर आज अनाज का निर्यातक बन कर 140 करोड़ जनता का पेट भी भर रहा है और अनाज निर्यात भी कर रहा है। भारत ने कृषि में नवीन यंत्रों को विकसित कर जो बेहतर तौर-तरीकों जैसे वैज्ञानिक प्रयोगों से ग्रीन रिवॉल्यूशन को लाकर खड़ा कर दिया। अब भारत में पर्याप्त अन्न का भंडार भारतीय जनमानस के लिए उपलब्ध है। यह निसंदेह वैज्ञानिक तकनीक और दृढ़ संकल्प का ही परिणाम है, जो हमारे लिए गौरव का विषय भी है। इसी तरह मानव के विकास की अहम आवश्यकता शिक्षा और कौशल तकनीक भी गरीबी निवारण के लिए अपरिहार्य बन गई है। यहां भी वैज्ञानिक तरीकों से लॉजिकल पाठ्यक्रम ऑनलाइन पढ़ाई आदि से गरीबी के कई आधार स्तंभ हटाए गए हैं। विज्ञान आधारित विकास से अब समाज में उद्योग सेवा क्षेत्र में कई नौकरियां तथा रोजगार के अनेक अवसर पैदा हो रहे हैं। विकास यानी गरीबी हटाने के घरेलू उपाय का अच्छा रोजगार देने में विज्ञान का योगदान बहुत ज्यादा रहा है,लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था में शिक्षा कौशल प्राप्त कर गरीब युवा भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकता है। सामाजिक आर्थिक क्षेत्र ही नहीं बल्कि प्रशासनिक राजनीतिक क्षेत्र भी वैज्ञानिक तकनीकी से गरीबी मिटाने के प्रयास में लगातार अनवरत प्रयत्नशील है ई गवर्नेंस वस्मार्ट गवर्नेंस में व्यापक तौर पर पारदर्शिता जवाबदेही लाकर प्रशासन को बेहतर बनाने में मदद की है यह भी गरीबी निवारण के लिए जरूरी सुशांत सुशासन का एक अहम हिस्सा है। विज्ञान तकनीकी आधारित विकास ने हमारी गरीबी का स्तर घटाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रभाव महसूस किया जा रहा है। अब इस बात की जरूरत है कि दुनिया के विकास के मॉडलों में सामाजिक मूल्य कमजोर वर्गों के प्रति करुणा विविध धर्म, संप्रदाय आदि क्षेत्र का सम्मान जैसी बातें भी शामिल हो। अब विकास का ऐसा मॉडल विकसित हो जाना चाहिए जो समाज को पर्यावरण प्रेम, नागरिक मानवीय कर्तव्य, नैतिक मूल्य का भी पाठ पढ़ाए ताकि समस्त सामाजिक वर्ग का विकास एक साथ सबके साथ हो सके। दुनिया के हर महत्वपूर्ण अर्थशास्त्री विकास के मॉडल में विज्ञान की तकनीकी का प्रयोग अत्यंत एवं आवश्यक मानते हैं। अब विकास के साथ विज्ञान और मूल्य का सही संयोजन जरूरी है ताकि असमानता के स्थान पर सभी का विकास संभव हो सके।

विज्ञान की अथाह क्षमता तथा शक्ति का सदुपयोग विकास के पथ को तीव्र सरल तथा उच्च उत्पादकता वाला बनाना होगा। गरीबी की दर्दनाक पीड़ा पर यह मरहम लगाकर उसे हटाने का बेहतर साधन भी बन सकता है। वैज्ञानिक तकनीक के साथ यदि मानवीय संवेदनाओं का समावेश हो तो यह कई गुना अधिक सफल बन सकती है। ऐसे में 'येन केन प्रकारेण' धन कमाने की लिप्सा और शोषण की सोच की जगह 'सर्वे भवंतू सुखिनः' जैसी सकारात्मक भावनाएं समाज में व्याप्त हो तभी विकास की सही दिशा को कोई भी राष्ट्र प्राप्त कर उस देश की गरीबी को हटाने में सफल हो सकता है।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक
वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

सावधान! आप भारतीय रेल में सफर कर रहे हैं

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: अकसर जब हम किसी यात्रा पर होते है, तो बसों या ट्रेनों में एक चीज अवश्य पढ़ने अथवा सुनने को मिलती है कि यात्रीगण आसपास पड़े किसी भी लावारिश वस्तु से सावधान रहें तथा किसी भी अंजान व्यक्ति से किसी भी प्रकार की खाने या पीने की चीज ना लें, क्योंकि हो सकता है कि सामने वाले की मंशा ठीक न हो और इसके माध्यम से वो आपको नुकसान पहुँचाना चाह रहे हों। साथ ही साथ एक हिदायत यह भी दी जाती है कि यात्रियों को अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करनी चाहिए, उसे किसी और के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिये। लेकिन यात्रा के दैरान केवल इन्हीं कुछ बातों से यात्रियों को आगाह करना मेरे मुताबिक काफी नहीं है। इसमें एक और वाक्य जोड़ा जा सकता है, खास कर भारतीय रेलगाड़ी व रेल परिसर में इसका लिखा होना तो बिलकुल ही अनिवार्य होना चाहिए तथा यात्रियों को इस बात से आगाह किया जाना चाहिए कि "सावधान! आप भारतीय रेल में सफ़र कर रहे हैं। आपको अपने जान की कीमत समझनी चाहिए और उसका ध्यान स्वयं रखना चाहिए, यह रेल किसी भी वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो सकती है।"

ऐसा लिखने के पीछे मेरा कतई यह उद्देश्य नहीं है कि मैं भारतीय रेल व्यवस्था की इस दयनीय अवस्था की खिंचाई करू या मजाक उड़ाऊ जिसमें आए दिन रेल हादसे होते रहते हैं, लेकिन इसके माध्यम से इस रेल तंत्र को उस कड़वी सच्चाई से अवश्य अवगत करना चाहता हूँ, जिसे यह व्यवस्ता कभी नहीं देखना चाहेगी। 1853 में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान मुंबई और ठाणे के बीच चलकर शुरू हुई यह रेल यात्रा अब तक न जाने कितने बदलाव से गुजर चुकी है। स्टिम इंजिन से शुरू हुआ इसका इतिहास, कोयले, बिजली सहित अब सौर्य उर्जा का भी गवाह बन चुका है। लेकिन इतने वर्षों में जो एक चीज इन रेलों के साथ नहीं बदली वह है इनके दुर्घटनाग्रस्त होने के तरिके। प्रत्येक हादसे का मंजर लगभग एक सा ही होता है, वही पटरी से उतर कर एक दूसरे पर लदी बोगीयां, वही पीड़ा से तड़पते घायल यात्री, वही अपनों को खो कर चीखते चिल्लाते लोग। हर बार नजारा कमोबेश एक ही होता है, बदलता है तो बस रेल का नाम और हादसे का स्थान।

सोमवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ जब अगरतला-सियालदाह कंचनजंगा एक्सप्रेस पश्चिम बंगाल में रानीपतरा और चत्तर हाट जंक्शन के बीच एक माला गाड़ी से टक्कर के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुई, जिसमें कई मुसाफिर काल के गाल में समा गये। यहां तक कि माला गाड़ी के ड्राइवर और एक्सप्रेस ट्रेन के गार्ड को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। बताया जा रहा है कि स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली के खराब होने के कारण यह हादसा हुआ। लेकिन अब सवाल यह है की इतनी बड़ी लापरवाही या गलती का जिम्मेदार कौन है? आखिर सिग्नल क्यों खराब था? अगर सिग्नल खराब था तो समय रहते कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं बनाई गई थी? बार बार यह दुर्घटनाएं होती हैं और हर बार एक नया कारण सामने आ जाता है। हर दुर्घटना के बाद कुछ कर्मचारीयों या संलिप्त अधिकारियों पर ठीकरा फोड़ कर मामला शांत कर दिया जाता है लेकिन इसमें कोई दो राय नही है कि यह दुर्घटना भारतीय रेल व्यवस्था के नाकामी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का एक और प्रत्यक्ष उदाहरण है।

हालांकि, भारतीय रेल का यूँ पटरियों से उतरना और उसका दुर्घटना ग्रस्त होना कोई नई बात नही है। आंकड़ो पर ध्यान दिया दिया जाए तो पिछले कुछ वर्षों की रिपोर्ट रूह कंपकपाने वाली है। 2011-12 में कुल 115 रेल हादसे हुए, 2013-14 में ये आंकड़ा 117 तक पहुँच गया। 2014-15 में 131 रेल हादसे हुए। वहीं 2016-17 में 104, 2017-18 में 61, 2018-19 में 59, 2019-20 में 57 तथा 2020-21 में 19 रेल हादसे हुए। इन आंकड़ो को देख कर आसानी से समझा जा सकता है कि भारतीय रेल को दुर्घटनाओं का रेल क्यों कहा जाता है और मैंने लेख के शुरुआती पंक्तियों में रेल व रेल परिसर में यात्रियों को आगाह किये जाने की बात क्यों कही थी। हालांकि, इन आंकड़ों के आधार पर निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि हादसों में कमी आई हैं लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि हम अस्वस्थ हो जाएं।

वर्तमान दौर में भारतीय रेल नेटवर्क 1,26,366 किलोमीटर लंबी हैं। इतने बड़े रेल व्यव्स्था का रखरखाव निश्चीत ही आसान नहीं होगा किंतु इसमें सरकारी विफलता भी एक मुख्य कारण हैं। जैसे पटरियों की खराबी के कारण न केवल ट्रेने देरी से चलती है, अपितु हादसों का शिकर भी होती है। माना जाता है कि सालाना 4,500 किमी ट्रैक को नवीनीकृत किया जाना चाहिए, लेकिन वित्तीय बाधाओं के कारण यह संभव नहीं होता। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021-22 में 58,459 करोड़ रुपये का इस्तेमाल पटरियों के नवीनीकरण के लिए किया जाना था। जबकि सीएजी रिपोर्ट कहती है कि केवल 671.92 करोड़ रुपये या 0.7% धनराशि का ही इसमें इस्तेमाल किया गया।

ट्रेनों के साथ एक अन्य समस्या यह है कि हादसे का शिकर होने पर इनकी बोगीयाँ एक दूसरे पर चढ़ जातीं है, जिससे नुकसान ज्यादा होता है। इससे बचाव के लिए हाल ही में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बने डिब्बों को एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) डिब्बों से बदलने की योजना बनाई गई। लेकिन माना जा रहा है कि कोचों को पूरी तरह परिवर्तित करने में वर्ष 2040 तक का समय लग सकता है। अब सवाल यह है कि जबतक ये डिब्बे ट्रेनों में नही लगा दिए जाते तबतक क्या रेल ऐसे ही हादसे का शिकार होते रहेगी और मौत का तांडव रचा जाता रहेगा ? क्या रेलवे के अन्य विभागों की अच्छी देखभाल और रखरखाव कर के इन कोचों के न होने की भरपाई नहीं की जा सकती? क्या पटरियों की वक्त पर मरम्मत करके इन हादसों को नही रोका जा सकता ? यहाँ इस तंत्र से यह सवाल पूछना भी जायज होगा कि हर साल रेल बजट में यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों की सही देखभाल के लिए करोड़ों रुपये दिए जाते हैं। फिर भी हादसे नही रुकते। आखिर क्यों? जिस देश में आम एक्सप्रेस रेल की हालात कितनी ख़राब है, वहाँ सरकारी सपने वाली बुलेट ट्रेन कैसे सरपट दौड़ेगी? जहां 100 किमी की रफ़्तार से ट्रेनें नहीं चल सकतीं, वहां 300 किमी रफ़्तार वाली बुलेट ट्रेन को पटरियां कैसे संभाल पाएंगी?

प्रतिदिन 19,000 ट्रेनों में लगभग 23 मिलियन यात्रियों और 2.65 मिलियन टन माल का परिवहन करता यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क आज भगवान भरोसे ही कहा जा सकता है। शायद इसकी वजह यह है की सरकारें लोकलुभावन घोषणाएं तो कर देतीं हैं, पर वह जमीनी हकीकत से कोषों दूर रह जाती है। लेकिन इतना सबकुछ होने के बाद भी शाषण तंत्र और रेल व्यवस्था में सुधार होगी इसकी बस उम्मीद ही की जा सकती। हादसे के बाद केवल मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किये जाने से कुछ नही हो सकता। जरुरत है की इस व्यवस्था में बदलाव हो जिससे ऐसी दुर्घटनाएं होने की नौबत ही न आए।

विवेकानंद विमल

गएट थे चुनाव कराने पर वो लौट कर घर ना आए!

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की अठारहवीं लोकसभा अस्तित्व में आ चुकी है। लोकतंत्र के इस महापर्व के आयोजन के फलस्वरूप 543 सांसद चुने गए कुछ मंत्री बन गए प्रधानमंत्री लोकसभा स्पीकर और विपक्ष के नेता बन गए लेकिन आपको बता दें कि इस लोकतंत्र के बुनियादी कार्यक्रम आम चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए कुल दस लाख से अधिक केंद्र व राज्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी इन चुनावों को सम्पन्न कराने के लिए अपने घर परिवार बच्चों को छोड़कर मतदान केंद्रों पर ड्यूटी देने गए 123 कर्मचारी अपने घर जीवित वापस नहीं आए वरन वह अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए ड्यूटी पर ही विभिन्न कारणों से जान गंवा गए। चुनाव आयोग को चुनाव कराने के लिए बड़ी संख्या में कर्मियों की जरूरत होती है और ये कर्मी विभिन्न सरकारी विभागों, सरकारी स्कूल के शिक्षकों, राष्ट्रीयकृत बैंकों और एलआईसी सहित विभिन्न उद्यमों जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से लिए जाते हैं. मतदान दलों में पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी, सेक्टर और जोनल अधिकारी, माइक्रो-ऑब्जर्वर, सहायक व्यय पर्यवेक्षक, चुनाव में उपयोग किए जाने वाले वाहनों के ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर आदि शामिल होतेसुरक्षा और कानून व्यवस्था में शामिल पुलिसकर्मी, सेक्टर और जोनल अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिला चुनाव अधिकारी और उनके कर्मचारी, अन्य लोगों में से हैं जो देश भर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपने-अपने जिलों में चुनाव कराने में मदद करते हैं. चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त लोगों के अनुपस्थित रहने की कोई गुंजाइश नहीं है. अनुपस्थिति पर आयोग की ओर से दंड दिया जाता है. डयूटीचुनाव कार्य में केवल उन्हीं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा सकती है जो केंद्र या राज्य के स्थायी कर्मचारी हैं. इसके बाद भी अगर जरूरत पड़ती है तो उन कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई जा सकती है जो रिटायर होने के बाद प्रतिनियुक्ति पर हैं. चुनाव कार्य में कांट्रैक्ट या दैनिक वेतनभोगी की ड्यूटी नहीं लगाई जा सकती है. अगर पति-पत्नी दोनों सरकारी कर्मचारी हैं तो चुनाव ड्यूटी में एक को छूट मिल सकती है. ऐसे में पति-पत्नी दोनों की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी. दंपती में से कोई एक बच्चों या अपने बुजुर्ग मां-बाप की सेवा के लिए अपनी ड्यूटी हटाने के लिए आवेदन दे सकता है।

इस बार का लोकसभा चुनाव 45 डिग्री वाले गर्म मौसम में सम्पन्न हुआ यह गर्म मौसम की तपिश चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के लिए बेहद भारी साबित हुयी सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही 54 कर्मचारियों की ड्यूटी करते हुए मौत हो गई। 33 मौतें तो वोटिंग के आखिरी दिन 1 जून को हुईं। मरने वालों में ज्यादातर होमगार्ड्स थे, जिनके परिवारों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। कुछ परिवार ऐसे हैं, जिन्हें सहारा देने वाला कोई नहीं बचा।उनकी आखिरी उम्मीद 15 लाख रुपए का सरकारी मुआवजा है, जो अब तक नहीं मिला है। उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के दूसरे राज्यों में भी चुनाव ड्यूटी के दौरान कई कर्मचारियों की मौत हुई। चुनाव आयोग से इसकी जानकारी मांगी, लेकिन जवाब नहीं मिला।एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्यों में अधिकारियों से बात की, तो पता चला कि मध्यप्रदेश में 27, असम में 15, राजस्थान-छत्तीसगढ़ में 8-8, पंजाब में 7 और दिल्ली में 4 मौतें हुई हैं।

उत्तर प्रदेश में चुनाव के दौरान गर्मी काफी अधिक रही और चुनाव कर्मियों को सुविधाओं का अभाव था यही कारण है कि 54 पोलिंग स्टाफ की मौत हो गई। ड्यूटी पर जान गंवाने वाले इन कर्मचारियों में से अभी तक सिर्फ 27 के आश्रितों को सरकार की ओर से मदद मिली है जबकि बाकी मृतकों के आश्रितों को अभी कोई मदद नहीं मिली है। इलेक्शन ड्यूटी के दौरान मरने वाले पोलिंग स्टाफ का डेटा और उन्हें मिलने वाली आर्थिक मदद के बारे उत्तर प्रदेश स्टेट इलेक्शन कमीशन के असिस्टेंट चीफ इलेक्टोरल अफसर अरबिंद कुमार पांडेय के अनुसार 'चुनाव खत्म होने के बाद हमने यूपी के सभी जिलों से पोलिंग कर्मचारियों की मौत से जुड़ी रिपोर्ट मंगवाई थी। राज्य में 54 कर्मचारियों की मौत हुई। इनमें से 27 के परिवार तक मदद पहुंचा दी गई है। 10 लोगों का भुगतान अभी प्रक्रिया में है। '17 मृतकों की पूरी रिपोर्ट अभी उनके जिलों से नहीं आई है। इसलिए उनका कुछ नहीं हो पाया। संबंधित जिला प्रशासन जैसे ही जानकारी भेज देगा, हम उनके अकाउंट में पैसे भिजवा देंगे।

इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, जान गंवाने वाले कर्मचारियों में ज्यादातर होमगार्ड, सफाईकर्मी और वोटिंग कराने वाले कर्मचारी थे। इन सभी की 500 रुपए रोज के हिसाब से ड्यूटी लगाई गई थी। सभी को वोटिंग से 3 से 4 दिन पहले तय लोकसभा क्षेत्रों में पहुंचना था।

यूपी के मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिणवा के हवाले से बताया गया है कि यूपी में रिपोर्ट हुईं सभी मौतें नेचुरल डेथ की कैटेगरी में आती हैं, इसलिए सभी पीड़ित परिवारों को 15 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। 7 जुलाई से पहले मदद राशि भेजने का लक्ष्य रखा गया है। इलेक्शन कमीशन की गाइडलाइन के अनुसार, चुनाव ड्यूटी के दौरान पोलिंग स्टाफ की मौत होने पर दो तरह से मदद दी जाती है। पहला- कर्मचारी की बीमारी से या फिर प्राकृतिक मौत होने पर 15 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है। दूसरा- किसी भी तरह के उपद्रव या आतंकी हमले में पोलिंग स्टाफ की मौत होने पर 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। चीफ इलेक्शन कमिश्नर अभी यह जानकारी नहीं दे रहे हैं कि चुनाव ड्यूटी करते हुए देश में कितने पोलिंग कर्मचारियों की मौत हुई, कब तक पीड़ित परिवारों को मुआवजा मिल जाएगा, क्या तपती गर्मी और हीटवेव को देखते हुए चुनाव आगे के लिए टाला जा सकता था, वरिष्ठ पत्रकारों ने ऐसे 6 सवाल चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजीव कुमार को मेल के जरिए भेजे। 5 दिन बाद भी जवाब नहीं आया। यह बेहद शर्मनाक बात है कि देश का चुनाव आयोग चुनाव सम्पन्न कराने के लिए अपनी जान गंवाने वाले ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की सही संख्या तक नहीं बता रहा है।

मध्यप्रदेश में 27, दिल्ली में 4 मौत होने की पुष्टि की गई है जब राज्यों के चुनाव अधिकारियों से इस सिलसिले में जानकारी हासिल करने की कोशिश की गई कि ड्यूटी के दौरान कितनी मौतें हुई हैं और कितने परिवारों को मुआवजा मिल चुका है।

मध्यप्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी अनुपम रंजन के मुताबिक चुनाव ड्यूटी के दौरान 27 कर्मचारियों की मौत हुई है। इनमें से 21 के परिवारों को केंद्र सरकार की तरफ से 15 लाख रुपए की मदद दी गई है। छत्तीसगढ़ में 8 कर्मचारियों की मौत हुई। सभी के परिवारों को मुआवजा मिल गया है। राजस्थान के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण गुप्ता के मुताबिक, प्रदेश में 8 मौतें हुई हैं, जिनमें से 6 परिवारों को मुआवजा मिल गया है।

देश में कुल 28 राज्य और संघ शासित प्रदेशों के अभी पूरे आंकड़े आने बाकी है जाहिर है कि यह संख्या दो सौ से अधिक हो सकती है क्योंकि चुनाव के दौरान व्यवस्था में लगे कई पुलिस कर्मियों व दूसरे कर्मियों की सडक दुर्घटना में व अन्य असाधारण कारण से भी मृत्यु हुई है वहीं अनेक कर्मचारी अराजक तत्वों के हमले में जख्मी हो गए हैं।

यह सभी मृतक इस लोकतंत्र की नींव के लिए अपना बलिदान दे गए। एक ओर वह नेता हैं जो संविधान हाथ में लेकर संविधान में आस्था रखने का प्रदर्शन करते हैं और मौका मिलने पर सुविधानुसार संविधान का दुरुपयोग करने से भी नहीं चूकते हैं वहीं दूसरी ओर यह नीव के पत्थर हैं जो अपनी जान ड्यूटी देते गंवा गए। इनके इस संविधान के द्वारा प्रदत्त व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दिए गए योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए। हमारे विचार में नई लोकसभा के पहले सत्र में इन तमाम लोगों के परिश्रम और संवैधानिक व्यवस्था के लिए कर्तव्य परायणता के लिए स्मरण व श्रद्धांजली दी जानी चाहिए और इनके आश्रितों को यथा शीघ्र आर्थिक मदद दी जानी चाहिए इस मे देरी या अनावश्यक कागजी बाधाएं तत्काल दूर करने की जरूरत है ताकि लोकतंत्र के इन पहरूओ को अंतिम सम्मान आत्मा को शान्ति मिल सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या विपक्ष नखरे, ड्रामेबाजी, नारेबाजी एवं व्यवधान के बजाय इस बार एक अच्छे एवं जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाएगा

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस बार बड़ी संख्या में जीतकर आए विपक्षी दलों से यही कहना है कि क्या वह इस बार देश की 140 करोड़ जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करेगा क्योंकि हमारी ओर से तो सरकार हर किसी की सहमति के साथ और सबको साथ लेकर चलने का निरंतर प्रयास करती रहेगी इस बार की हमारी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में पहले से तीन गुना अधिक मेहनत कर देश हित में अच्छे परिणाम लाने का प्रयास करेगी एवं फिर हमारा यह भी प्रयास रहेगा कि 2047 तक श्रेष्ठ और विकसित भारत के संकल्प को शीघ्र अति शीघ्र हासिल करने में हम सफल हो फिर जनता भी पक्ष विपक्ष से यही अपेक्षा रखती है । उनका कहना है कि जनता संसद में सार्थक विषयों पर अच्छी बहस देखना एवं सुनना चाहती है फिर अब लोगों की यह आशा कतई नहीं है कि संसद में नखरे, ड्रामा एवं व्यवधान होता रहे, कोई भी आज अपने देश की संसद में बेवजह के नारे नहीं सुनना चाहता एवं देश की जनता को आज एक मजबूत एवं जिम्मेदार विपक्ष चाहिए। जनता को फिर अपनी सरकार से जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने की भी अपेक्षा रहती है। आज देश की जनता ने एक बार फिर दूसरी बार किसी सरकार को तीसरे टर्म में सेवा करने का अवसर दिया है एवं यह अवसर 60 साल के बाद एक बार फिर से आया है जो कि अपने आप में गौरवपूर्ण घटना कहीं जा सकती है इसीलिए हमारी सरकार का भी यह दायित्व बन जाता है कि हम भी तीसरे कार्यकाल में पहले की अपेक्षा तीन गुना अधिक ज्यादा मेहनत कर और भी बेहतर से बेहतर परिणाम लाकर जनता के सामने रखें। खुशी की बात है कि इस बार की संसद में इस बार युवा सांसदों की संख्या भी काफी अधिक आई है जो देश के अच्छे भविष्य के लिए काफी अच्छी सोच रखते हैं।कह सकते हैं कि वर्तमान समय में हमारे देश का अमृत कल भी चल रहा है अतः हम सभी का यह फर्ज है कि पक्ष एवं विपक्ष मिलकर देश के आगामी भविष्य को और भी अधिक उज्जवल बनाने का प्रयास करें। अतः हम तो यहां पर यही कहना चाहते हैं कि हमारे देश के प्रधानमंत्री की देश के भविष्य को लेकर काफी अच्छी और सार्थक सोच है पर विपक्ष तो सरकार को ज्यादा से ज्यादा सहयोग देने के मूड में अभी नहीं दिख रहा है, कारण उसने जिस तरह से संसद सत्र की शुरुआत वाले दिन संसद के परिसर में इकट्ठा होकर जिस तरह से सरकार के खिलाफ नारेबाजी किया है उससे उसके कड़े रुख का पता चल रहा है। संविधान को हाथ में लेकर कांग्रेस पार्टी के सांसद जिस तरह से संविधान बचाने की मांग कर रहे हैं तब इससे उसके कड़े रुख का सभी को पता चल रहा है फिर इसका सबसे बड़ा कारण यहां यह भी कहा जा रहा है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने संविधान को लेकर एक बड़ा मुद्दा भी बनाया है, अतः तब देखना होगा कि इस बार सरकार एवं विपक्ष में देश चलाने के मुद्दे पर आपस में किस तरह का सहयोगी व्यवहार रहता है। अतः यहां हमारी तो यही अपेक्षा है कि सरकार एवं विपक्ष के बीच आपस में परस्पर सहयोग बना रहे और देश को इस अमृत काल में आगे बढ़ने का लगातार अवसर मिलता रहे और हम शीघ्र अति शीघ्र विश्व में एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में अपने आप को मजबूती से खड़ा कर सके।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर

कबीर के दर्शन की उपयोगिता

कहे कबीर खरी खरी, जग को सच समुझाय।
बीच कूप में जग गिरा, प्राण सहज ही जाय।।

वाणी बड़ी अमोल है, कीमत समझों आप।
सोच समझ के बोलिए, कब बने अभि शाप।।

निर्गुण राम कबीर का, पकड़ लिया जब हाथ।
कबीर अकेला ही चला, छोड़ गये सब साथ।।

तम आतप के बीच में, ज्ञान बड़ा जग आश।
कबीर सच्चा दीप है, जलकर किया प्रकाश।।

तम की चादर देख के, कबीर चुन चुन फाड़।
तम की चादर फाटते, जगत ज्ञान की खांड।।

जग डूबा जब ढोंग में, उतरा पीर जहाज।
देव दूत वो कबीर का, जन्म हुआ आगाज।।

कबीर सांचा संत है, कर पाखंड विरोध।
काले जग को खोलके, करता सच का शोध।।

चलिये साथ कबीर के, अपनी आंखें खोल।
ढोंग चला फिर दूर ही, उठते सच के बोल।।

जानो संत कबीर को, चलो ज्ञान की ओर।
जला दीप जब ज्ञान का, तम का नहि है जोर।।

चुन चुन कंकड़ माट को, तन को रहा सजाय।
निकले प्राण शरीर से, कौवा बैठे खाय।।

के एल महोबिया
कोलफील्ड मिरर

आखिर सैम अंकल की फिर वापसी हुई और वह फिर से राहुल बाबा के खास हुए

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: लोकसभा चुनाव के दौरान विवादित टिप्पणियों के चलते ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाए गए सैम अंकल की एक बार फिर से बहाली राहुल बाबा द्वारा कर दी गई है सैम अंकल यानी सैम पित्रोदा राहुल गांधी के खास गुरु हैं एवं चुनाव के समय इन्हीं सैम अंकल की, की गई टिप्पणियों के चलते कांग्रेस पार्टी कुछ असहज हो रही थी इसीलिए जनता को भ्रमित करने के लिए सैम पित्रोदा को उनके पद से हटा दिया गया था, परंतु अब पुनः उन्हें फिर से ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष बनाते हुए जो नियुक्ति पत्र जारी किया गया है वह कांग्रेस का सहमति पत्र है। कह सकते हैं कि इसका मतलब साफ है कि चेले यानी राहुल गांधी को गुरु यानी सैम पित्रोदा की बातें काफी पसंद आती है इसीलिए उन्हें पुनः पार्टी में अध्यक्ष पद पर आसानी से नियुक्ति दे दी गई है जैसे यह पद सिर्फ उन्हीं के लिए बना हो फिर यह भी कह सकते हैं कि राहुल गांधी की समस्त विदेश यात्राओं का प्रबंध सैम पित्रोदा ही के पास रहता है तथा वह राहुल बाबा के एक तरह से लेकर राजनैतिक गुरु भी कहलाते हैं जिन्हें राहुल गांधी प्यार से सैम अंकल भी कहते हैं फिर यह वही सैम पित्रोदा है जिनकी कुछ टिप्पणियों के कारण कांग्रेस पार्टी को असहज महसूस करना पड़ा था जैसे दक्षिण भारतीय अफ्रीकी, पूर्वोत्तर के लोग चीनी, पश्चिम के अरबी और उत्तर भारत के लोग श्वेत दिखते हैं। इसके पहले भी उन्होंने 1984 के सिख दंगों के समय हुए नरसंहार के समय कहा था कि "जो हुआ सो हुआ" अतः इसी तरह से पुलवामा और 26/ 11 के आतंकी हमले के समय से इन्हीं सैम अंकल ने कहा था कि 8-10 लोग यदि आकर हमला कर देते हैं तो क्या इसके लिए पूरा पाकिस्तान तो दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसी तरह उन्होंने भगवान राम एवं राम मंदिर को भी भारतीय विचारधारा के विरुद्ध बताया था, फिर इसी तरह एक सबसे बड़ी बात उन्होंने यह भी कही थी कि संविधान को बनाने में बाबा साहब अंबेडकर की नहीं बल्कि जवाहरलाल नेहरू की ही मुख्य भूमिका थी। यानी यह चाटुकारिता की हद थी। अतः कह सकते हैं कि गांधी परिवार को ऐसे ही गुणगान करने वाले व्यक्ति हि अधिक पसंद आते हैं। अतः शायद इसी कारण राहुल बाबा द्वारा एक बार फिर अपने राजनीतिक गुरु सैम अंकल को फिर से ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर फिर से बहाल कर दिया गया है फिर कह सकते हैं कि यह गांधी परिवार की ही विशेषता है कि उन्हें अपनी प्रशंसा करने वाले लोग काफी पसंद आते हैं एवं यह सिलसिला आज का नहीं है यह जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी राजीव गांधी से चलकर आज राहुल बाबा तक बराबर जारी है। राहुल गांधी को अपनी प्रशंसा करने वाले काफी पसंद आते हैं, उनको अच्छा लगता है कि जब उनके साथ रहने वाले लोग जब उनकी हां में हां मिलाकर एवं उन्हें बड़ा बता कर जब सदा उनकी प्रशंसा करते हैं मगर उन्हें अपने को सलाह देने वाले लोग कतई पसंद नहीं आते हैं। जब कोई राहुल गांधी को अपनी ओर से सलाह देने की कोशिश करता है तब यह मान कर चलिए कि ऐसे व्यक्ति का फिर उनकी ख़ास टोली से पत्ता भी कट जाता है, परंतु सैम अंकल तो उनके बहुत ही खास पसंदीदा व्यक्ति है अतः उन्हें एक बार फिर से राहुल बाबा ने अपनी खास टोली में फिर से शामिल कर लिया है।

मनमोहन राजावतराज, शाजापुर

आज विधानसभा परिसर में तृणमूल और भाजपा का धरना प्रदर्शन का आह्वान

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (कोलकाता): उपचुनाव में निर्वाचित दो तृणमूल विधायकों के शपथ ग्रहण को लेकर जारी गतिरोध के खिलाफ विधानसभा परिसर में तृणमूल के विधायक लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को भी इसे जारी रखने की योजना है। दूसरी तरफ, भाजपा ने कूचबिहार में पार्टी की महिला नेता पर हमले के खिलाफ सोमवार को वहां धरना प्रदर्शन का आह्वान किया है।

उत्तर 24 परगना बराहनगर विधानसभा उपचुनाव जीतने वाली तृणमूल उम्मीदवार और अभिनेत्री सायंतिका बनर्जी और मुर्शिदाबाद भगवानगोला से जीतने वाले रेयात हुसैन विधायक के रूप में शपथ लेने की मांग को लेकर पिछले हफ्ते से विधानसभा परिसर में अंबेडकर प्रतिमा के नीचे धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस धरना प्रदर्शन में तृणमूल के अन्य मंत्री और विधायक भी शामिल होंगे।

दूसरी ओर कूचबिहार में पार्टी की महिला नेता पर हमले के खिलाफ भाजपा की महिला विधायक भी सोमवार को धरना प्रदर्शन करेंगी। इसे लेकर आसनसोल दक्षिण से भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल ने कहा कि वे हर हाल में सोमवार से धरना शुरू करेंगी। वहीं, बराहनगर की तृणमूल विधायक सायंतिका ने भी कहा कि वे भी राज्यपाल को जल्द से जल्द शपथ दिलाने की मांग को लेकर धरना जारी रखेंगी। तृणमूल विधायक दल ने पार्टी विधायकों को सायंतिका और रेयत के धरना में भाग लेने का निर्देश दिया है।

वहीं, राज्य में विपक्षी दल के नेता शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, कूचबिहार में भाजपा की महिला नेता की पिटाई की घटना के विरोध में भाजपा की कुछ महिला विधायक सोमवार को विधानसभा में धरने पर बैठेंगी। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि विधानसभा अधिकारियों ने भाजपा विधायकों को धरना देने की इजाजत नहीं दी है। भाजपा संसदीय दल की ओर से विधानसभा सचिव सुकुमार रॉय को धरने पर बैठने के लिए आवेदन दिया गया था। विधानसभा सूत्रों के मुताबिक सचिव ने इस आवेदन को खारिज कर दिया। इसके बावजूद भाजपा संसदीय दल की महिला सदस्य धरना कार्यक्रम आयोजित करने पर अड़ी हैं। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा के अंदर नहीं तो भी वे विधानसभा के दक्षिणी दरवाजे के बाहर बैठ सकते हैं। हिन्दुस्थान समाचार/ गंगारकार के शपथ ग्रहण को लेकर तृणमूल धरना दे रही है। सोमवार को भी इसे जारी रखने की योजना है। दूसरी तरफ, भाजपा ने कूचबिहार में पार्टी नेता पर हमले के खिलाफ सोमवार को धरना प्रदर्शन का आह्वान किया है।

उत्तर 24 परगना बराहनगर विधानसभा उपचुनाव जीतने वाली तृणमूल उम्मीदवार और अभिनेत्री सायंतिका और मुर्शिदाबाद भगवानगोला से जीतने वाले तृणमूल उम्मीदवार रेयात विधायक के रूप में शपथ लेने की मांग को लेकर पिछले हफ्ते से अंबेडकर प्रतिमा के नीचे धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इन दोनों प्रदर्शनकारियों के अनुसार, इस धरना प्रदर्शन में तृणमूल के अन्य मंत्री और विधायक भी शामिल होंगे।

इस प्रदर्शन को लेकर आसनसोल दक्षिण से भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल ने कहा कि वे हर हाल में सोमवार से धरना शुरू करेंगी। वहीं, बराहनगर की तृणमूल विधायक सायंतिका ने भी कहा कि वे भी राज्यपाल को जल्द से जल्द शपथ दिलाने की मांग को लेकर धरना जारी रखेंगी। तृणमूल परिषद पार्टी ने पार्टी विधायकों को सयंतिका और रेयत धरना में भाग लेने का निर्देश दिया है।

वहीं, राज्य में विपक्षी दल के नेता शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, कूचबिहार में भाजपा की महिला नेता की पिटाई की घटना के विरोध में भाजपा की कुछ महिला विधायक सोमवार को विधानसभा में धरने पर बैठेंगी। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि विधानसभा अधिकारियों ने भाजपा विधायकों को धरना देने की इजाजत नहीं दी है। इसके बावजूद भाजपा संसदीय दल की महिला सदस्य धरना कार्यक्रम आयोजित करने पर अड़ी हैं। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा के अंदर नहीं तो भी वे विधानसभा के दक्षिणी दरवाजे के बाहर बैठ सकते हैं।

इस्तीफा दो इस्तीफा दो रोहित शर्मा

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: एक दिवसीय क्रिकेट मैच विश्व कप के फाइनल मैच मे 22 अक्टुबर 2023 को आस्ट्रेलिया से भारत को जो जख्म लगा था उसे 29 जून 2024 को टी- 20 विश्व कप के फाइनल मैच मे दक्षिण अफ्रीका को 7 रनो से हरा कर भर दिया। पर भारत की इस जीत को विपक्षी नजरिये से देखे तो यह भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अंहकार की हार है। बड़ी जीत का दावा करने वाले कप्तान रोहित शर्मा अपनी टीम को महज 7 रनो से ही जीता पाए। कप्तान ने फाइनल मैच मे सिर्फ 9 रही बनाए यह एक कप्तान के शर्म की बात है। उनको कम से कम अर्धशतक तो लगाना था। नैतिकता के आधार पर रोहित शर्मा को कप्तानी से इस्तीफा दे देना चाहिए। भारत ने भले ही 176 रन बनाए, परंतु दक्षिण अफ्रीका ने 157 बना लिए यह क्या कम है? दक्षिण अफ्रीका की टीम इस विश्व कप मे मजबूत हुई है और आने वाले विश्व कप मे और मजबूत हो कर उभरेगी। इस तरह भारतीय टीम जीत कर भी हार गई और दक्षिण अफ्रीका की टीम हार कर भी जीत गई।

आशीष सकलेचा, जावरा

सांसद के एल शर्मा के हाथों साहित्य मणि उपाधि से विभूषित

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (गौरीगंज): अमेठी के युवा कलमकार उदय राज वर्मा उदय को जन सेवा समिति जमुरवा अमेठी के बैनर तले आयोजित कवि सम्मेलन में अमेठी के सांसद माननीय किशोरी लाल शर्मा व पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने अंगवस्त्र प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर साहित्य मणि की उपाधि देकर सम्मानित किया। यह उपाधि उनके साहित्य योगदान के लिए दिया गया। उदय राज वर्मा उदय की धूप छांव काव्य संग्रह व खूनी सरोवर लघु उपन्यास नामक दो पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। इसके अतिरिक्त उनकी रचनाएं देश की विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है। उनकी कहानी अनोखा रिश्ता के लिए फैजाबाद से पुरस्कार भी मिल चुका है। इसके अतिरिक्त उन्हें सत्तर अन्य सम्मान मिल चुका है। उदय राज वर्मा उदय उदयांचल नामक एक त्रैमासिक डिजिटल पत्रिका का सम्पादन प्रकाशन भी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा के संरक्षक, उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के जिला संयोजक व अखिल भारतीय पत्रकार संघ के साहित्यिक प्रकोष्ठ के जिला सचिव भी हैं।

साहित्य अर्पण, दुबई और हंसराज कॉलेज, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में गरिमामयी कार्यक्रम संपन्न

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (दिल्ली): अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक संस्था साहित्य अर्पण, दुबई और हंसराज कॉलेज, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में गरिमामयी कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता दुबई से नेहा शर्मा और हंसराज कॉलेज की प्रधानाध्यापिका डा. रमा ने संयुक्त रूप से की। इस कार्यक्रम की रूपरेखा, संपूर्ण आयोजन और समन्वय का कार्यभार भावना अरोड़ा 'मिलन' द्वारा किया गया। जिन्होंने अतिथियों के आतिथ्य से लेकर के श्रोता गणों के आतिथ्य में कोई कसर नहीं छोड़ी कार्यक्रम को एक श्रेष्ठ शिखर तक पहुंचाने में डा.रवि गौड़ जी का कार्यक्रम समन्वय कराने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशवविद्यालय हंसराज की प्राचार्या प्रोफेसर रमा जी के पूर्ण सहयोग से यह कार्यक्रम सफलता की ओर बढ़ा।

अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती को माल्यार्पण करने एवं दीप प्रजल्लवन के पश्चात समरफील्ड विद्यालय के छात्रों मौलिक शर्मा और आव्या के मधुर कंठ से माँ सरस्वती का वंदन हुआ। तत्पश्चात मायरा और समायरा द्वारा गणेश की स्तुति की गई। इस सत्र के संचालन का कार्य भार निर्मला जी द्वारा किया गया जिन्होंने एक कुशल संचालक के रूप में मंच को संभाला। इस सत्र के समन्वयक का भार डॉ. रवि गौड़ जी ने किया। साहित्य अर्पण के द्वारा समाज में और साहित्य के क्षेत्र में दिए गए योगदान की समस्त वार्षिक रिपोर्ट पढी गई।

साहित्यिक चर्चा व परिचर्चा में अतथि वक्ता के रूप में बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता और लल्लन जी उर्फ राकेश श्रीवास्तव जी एवं ए.सी.पी वेद भूषण द्वारा किया गया। सूत्रधार का भार भावना अरोड़ा 'मिलन' जी ने संभाला।

द्वितीय सत्र काव्य पाठ का था जिसमें अतिथि स्वागत नृत्य समरफील्ड्स विद्यालय,कैलाश कॉलोनी की छात्रा अनुष्का ने शिव तांडव की सुंदर प्रस्तुति के साथ किया। इस सत्र के विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय गौड़ जी मुख्य अतिथि के रूप में नीरजा चतुर्वेदी थी।

सत्र के प्रतिभागी कवियों ने अपनी स्तरीय कविताओं से कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। सुधीर अधीर, मोहित मुदित द्विवेदी,अशोक मधुप, मनी अभय मिश्रा, आतिफ रईस सिद्दकी इन सभी आमंत्रित विशिष्ट प्रतिभाशाली साहित्य के प्रति समर्पित कवियों ने अपनी गजलों के माध्यम से पूरा समा बाँध दिया और कविताओं से वातावरण सम्मोहित हो गया। जनभागीदारी समिति से विजय गौड़ जी और ऑल इंडिया रेडियो से नीरजा चतुर्वेदी जी और साथ में हमारे प्रसिद्ध अशोक मधुप जी जैसे साहित्यकारों ने,प्रसिद्ध हस्तियों ने मंच को एक नया आयाम दिया और प्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका चंद्रकला जी वहां उपस्थित रहीं।

क्रांतिकारी डॉ. विक्रम चौरसिया जिन्होंने युवाओं के संघर्ष को लेकर और अपने जीवन के संघर्ष को लेकर और छूने वाली ऊँचाइयों को लेकर काफी कुछ वक्तव्य में कहा, नोएडा से कवयित्री संध्या जी, रेखा जी, कोमल पंत, डॉक्टर शबनम जी जैसी कवयित्रियों ने वहाँ उपस्थित रहकर और काव्य पाठ कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अनेकानेक साहित्य इन सभी साहित्य और समाज में विशेष भूमिका के श्रेष्ठ व्यक्तित्वों ने सबके जीवन पर बहुत प्रभाव डाला, इस सत्र का संचालन नयना कक्कड़ गुप्ता जी द्वारा किया गया।

इसके बाद नन्हे कवियों की "बाल चौपाल" बैठी। इस चौपाल में समरफील्ड्स विद्यालय कैलाश कॉलोनी, दिल्ली के चरिताक्षी नुनिवाल, शीर्षों दत्ता,अवनी राज ने, आर्य समाज विद्यालय कैलाश कॉलोनी, दिल्ली के प्रतिभाशाली छात्र पुनीत पासवान ने भाग लिया और अपनी एक-से-बढ़कर-एक प्रस्तुति के द्वारा हास्य रस,वीर रस,करुण रस में कविताओं को प्रस्तुत कर श्रोताओं का और अतिथियों का मन मोह लिया लिया।

इस भाग का संचालन - भार नवांकुर कवयित्री रोमा ठाकुर ने लिया। नवांकुर रोमा ठाकुर विविध साहित्यिक मंचों पर अपने प्रयत्नों द्वारा उभरती हुई कवयित्री के रूप में सबके सामने आ रही हैं उनकी बोली उनकी मिठास निश्चित रूप से सराहनीय है और सभी अतिथियों ने उनकी बहुत सराहना की।

नवांकुर रोमा ठाकुर विविध साहित्यिक मंच पर अपने प्रयास द्वारा उभरती हुई कवयित्री के रूप में सबके सामने आ रही हैं उनकी बोली उनका मिठास निश्चित रूप से सराहनीय है और सभी अतिथियों ने उनकी बहुत सराहना की। समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने एक मुट्ठी बनकर इस कार्यक्रम को श्रेष्ठता के शिखर पर पहुंचाया और यह साबित कर दिया की एकता में कितना बल है।

कार्यकारिणी सदस्यों में शोभित गुप्ता, नयना कक्कड़ गुप्ता, रूचिका राणा, स्मिता, अंजू निगम, पूनम बगड़िया, सीमा बिरला और निर्मला नीतू जी शामिल रहे। वीडियो ग्राफी का दायित्व प्रांशुल गुप्ता उनकी टीम ने निभाया।

प्रांशुल गुप्ता ने अपनी समर्पण और सेवा भाव से समस्त फोटोग्राफी का कार्यभार संभाला और समस्त कार्यक्रम को एक श्रेष्ठ स्वरूप दिया सभी की सुंदर तस्वीरें और सभी की सुंदर वीडियो बनाकर जो हमेशा के लिए इस कार्यक्रम की यादों को संजो कर रखेंगे। पुरस्कार वितरण प्रबंध स्मिता जी ने मंच पर संभाला।

मीडिया कवरेज संदीप द्विवेदी, प्रधान संपादक,दी वुमनिया टाइम्स और टी.वी कवरेज एस. जेड मलिक द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रम की रिपोर्ट को भारत के विविध समाचार पत्रों रेडियो एवं टीवी तक पहुंचाने में हमारे मीडिया साथियों ने दिल से कार्य किया।
कार्यक्रम में उपस्थित समस्त श्रोताओ,दर्शकों ने करतल ध्वनि द्वारा कार्यक्रम में अपनी पूरी भागीदारी निभाई और समस्त कार्यक्रम का आनंद उठाया।

कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा करते हुए नेहा शर्मा जी जो कि साहित्य दर्पण अंतरराष्ट्रीय संस्था दुबई की सीईओ है उन्होंने इन पंक्तियों के साथ "कौन कहता है लोग विदेशों में जाकर बस जाते हैं। अपने वतन की मिट्टी की खुशबू है साहब जो लोग विदेशों में जाकर बस जाते हैं।" उन्ही की लिखी इन पंक्तियों को सार्थक करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और सभी की सहयोग की सराहना की।

विस्तृत रिपोर्ट
भावना अरोड़ा 'मिलन'
अंजू निगम

टी-20 विश्व विजेता भारत

सारे जहाँ से अच्छा भारत देश हमारा,
टी-20 वर्ल्डकप-2024 हुआ हमारा।

जहां में ख़्वाब जो अब सच में हुआ पूरा,
वर्ल्डकप चैंपियनशिप बने हम दोबारा।

द्रविड़,विक्रम,दिलीप, मेहनती महाम्ब्रे,
सभी प्लेयर के पीछे मेहनत किए सारे।

टी-20 में भारत का रहा अजेय सफ़र,
टीम इंडिया ने नहीं छोड़ी कोई कसर।

2007 फर्स्ट वर्ल्डकप में माही महान,
2024 में जीत दिलाए रोहित कप्तान।

विराट कोहली की ग़ज़ब विराट पारी,
फाइनल में विपक्षी टीम हुई धराशायी।

सत्रह साल का सूखा जो अब हुआ दूर,
सभी खिलाड़ी जोश व जुनून से भरपूर।

अन्तिम में हार्दिक की ग़ज़ब गेंदबाजी,
फिर चोकर हुई टीम दक्षिण अफ्रीकाई।

सूर्या ने बाउंड्री में पकड़ा असंभव कैच,
वहीं से टर्निंग प्वाइंट भारत जीता मैच।

रबाडा, मिलर आउट अफ्रीका की हार,
कैच लेकर संभव कर दिया सूर्य कुमार।

आखिर भारत का सपना हुआ साकार,
सभी खिलाड़ियों का है हार्दिक आभार।

डॉ० चम्पा गणेश प्रकाश प्रभात
पूर्णियाँ, बिहार
कोलफील्ड मिरर

कुदरत न्याय करने, कर्मों की सजा देने के मंच पर आ गई है, सभी लोग शाकाहारी, नशामुक्त हो जाओ

संतों में परमात्मा की पूरी पावर, शक्ति होती है, केवल वो ही कर्मों को काट सकते हैं

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (उज्जैन): मध्य प्रदेश अब तक धरती पर आए सभी सन्तों ने जितने जीवों को नामदान दिया, उससे कई गुना ज्यादा को नामदान देकर, नाम योग साधना करा कर, जन्म-मरण की असहनीय पीड़ा से छुटकारा दिला कर जीते जी मुक्ति-मोक्ष दिलाने ने वाले बाबा जयगुरुदेव के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी इस समय के मनुष्य शरीर मे मौजूद पूरे सन्त सतगुरु उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि कुदरत न्याय करने के लिए मंच पर आ रही है। अभी तक तो इतना ध्यान नहीं था लेकिन अब सजा देने लग गई है। इसलिए आज पूर्णिमा के दिन से ही सभी लोग शाकाहारी हो जाएं। रूहों पर रहम करें, दया करें नहीं तो उनके पाप कर्मों से दब जाएंगे। कर्मों से किसी को छुटकारा नहीं मिलता, कर्मों की सजा तो भोगनी ही पड़ती है।

कर्मों को मिटाने की पावर केवल सन्तों में ही होती है

कर्म के बंधन में सबको बंधना पड़ा। कर्मों की सजा मिलती ही है लेकिन इसको कम और ज्यादा कौन कर सकता है? कौन मेट सकता है? जिसको पावर होता है- संतों को। आपको पिछले सतसंगों में सुनाया गया कि संतों का स्थान बहुत ऊंचा और पावर ज्यादा होती है। वह कर्मों को काट सकते हैं, कटवा सकते हैं, खुद के ऊपर ले सकते हैं।

सतगुरु के बताए सुमिरन, ध्यान, भजन करने से ही कटेंगे कर्म, आलस्य छोड़ कर करने का संकल्प बनाओ

आज पूर्णिमा के दिन से देश -दुनिया में आप सभी प्रेमी, नामदानी आलस्य को त्याग कर भजन, ध्यान, सुमिरन में लगो। इसी से आपके कर्म कटेंगे। छोटे-मोटे कर्म सेवा से कटते हैं लेकिन भारी कर्म आपको जो सुमिरन, धतान, भजन बताया गया है उससे कटेंगे। जैसे पानी से हल्के-फुल्के दाग तो धुल जाएंगे लेकिन भारी दागों को हटाने के लिए साबुन लगाना पड़ता है। कर्म जब ज्यादा हो जाते हैं तो उसका भोग भोगना पड़ता है। संकल्प बनाओ कि आलस्य छोड़ कर भजन, ध्यान, सुमिरन रोज करेंगे।

आसनसोल मे डेंगू के रोकथाम के लिए सफाई अभियान और लोगों को किया गया जागरूक

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (आसनसोल): आसनसोल मे डेंगू के रोकथाम के लिए सफाई अभियान और इसको लेकर लोगों को जागरूक भी किया गया। बीते साल आसनसोल दक्षिण थाना पुलिस के 35 पुलिसकर्मी डेंगू का शिकार हुए थे। इस साल उस तरह की स्थिति फिर से न हो इसके लिए पहले से ही सावधानी बढ़ती जा रही है। स्टेट अर्बन डिपार्टमेंट के एंटोंमोलॉजिस्ट समित नाग के निर्देश अनुसार बोरो चार के एसआई मोहम्मद हिदायतुल्लाह के नेतृत्व में साउथ थाना के छत के ऊपर झाड़ियां को काटा गया और गंदगी को साफ किया गया। इस मौके पर वहां भीसीएमओ गोपाल विश्वास, सुपरवाइजर मोहम्मद निसार, सुनील रुईदास और अन्य व्हीकल स्टाफ उपस्थित थे। सबने मिलकर अच्छे से वहां पर सफाई की इस बारे में मोहम्मद हिदायतुल्लाह ने कहा कि डेंगू को लेकर जनता को भी जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब स्वास्थ्य कर्मचारी डेंगू का सर्वे करने के लिए लोगों के घर जाते हैं तो बहुत से लोग उनको अपने घरों में घुसने नहीं देते घर के फ्रिज के पीछे पानी जमा रहता है। छत में पानी जमा रहता है और पानी की टंकी का ढक्कन खुला रहता है इसके अलावा खटाल या खाली जमीन भी एक बहुत बड़ी समस्या है। यहां पर पानी जमने से डेंगू के मच्छर पनपते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी जगह को लेकर लोगों को नोटिस दिया जा रहा है। ताकि डेंगू पनपने से पहले ही उसकी रोकथाम की जा सके।

टी 20 मैच में भारत की जीत पर मना जश्न, कटे केक व बंटी मिठाई

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के सलेमपुर पंचायत के फौजदारी में मुखिया प्रतिनिधि घनश्याम दास के नेतृत्व में क्रिकेट प्रेमी युवाओं के द्वारा भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गये टी 20 वर्ल्ड कप में भारत के जीत की खुशी में केक काटकर एवं एक दूसरे को मिठाइयां खिला कर जश्न मनाया गया। वहीं मुखिया प्रतिनिधि ने सभी युवाओं को खेल में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। साथ हीं सरकार से पढ़ाई के साथ-साथ खेल को भी बढ़ावा देने की मांग किया। इस दौरान बंशीधर यादव,राजेश दुबे, पिंका शर्मा, चन्द्रशेखर यादव सहित अन्य प्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शक्ति महायज्ञ के आठवें दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के गोराडीह में चल रहे नौ कुंडीय शक्ति महायज्ञ के आठवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु अहले सुबह से ही पहुंच यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर पुण्य के भागी बने साथ ही यज्ञ क्षेत्र में स्थापित विभिन्न देवी देवताओं की पूजा अर्चना की। वहीं यज्ञाचार्य हरेन्द्र शास्त्री वाराणसी के नेतृत्व में यज्ञ मंडप में हवन-पूजन व आहुति कराई गई। संध्या समय यज्ञ क्षेत्र में लगे मेला को देखने व आरती में शामिल होने के लिए पुरुष महिला एवं बच्चों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रात्रि में चल रहे श्रीरामकथा में कथावाचक अजय परासर के द्वारा श्रीराम विवाह की कथा रूपी ज्ञान की गंगा बहाई गई। इस दौरान भव्य झांकी की भी प्रस्तुति हुई। जिसे देखने व सुनने के लिए लोगों की भारी भीड़ तटस्थ दिखी। यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में प्रशान्त ओझा, धनंजय ओझा डब्लू ओझा सपत्नीक शामिल है। वहीं यज्ञ के सफल आयोजन में गोराडीह व आसपास इलाके के धर्मपरायण लोग अपनी-अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं।

'शांतिनिकेतन की नृत्य धारा' कार्यशाला का संपन्न

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (रानीगंज): भारत कला केंद्र भवन में रविवार को शांतिनिकेतन की नृत्य धारा के नाम से तीन दिवसीय एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नृत्य सीखने के लिए शांतिनिकेतन के मणिपुरी डांस संगीत भावना के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुमित बसु सौरव चटर्जी, डालिया कर्मकार, मलंचा चटर्जी, सुजाता महानता उपस्थित थे।

इस दौरान कार्यशाला में रानीगंज क्षेत्र तथा भारत कला केंद्र के डांसरों ने हिस्सा लिया। इस दौरान डॉक्टर सुमित बशु ने कहा कि शांतिनिकेतन में गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की दौड़ में जो नृत्य धारा चलती थी वह आज के दौर में लुप्त होती जा रही है इसे जागृत करने के लिए आज भारत कला केंद्र द्वारा मुझे आमंत्रित किया गया था इस नृत्य धारा को सीखने के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें यहां की हमारी छात्र का विशेष योगदान रहा है तीन दिनों तक मैं यहां शांतिनिकेतन की नृत्य धारा सिखाऊंगा हमारी संस्कृति जो लुप्त होती जा रही है आज के दौर में इसे जीवित रखना हैइसलिए इस तरह का आयोजन होते रहना चाहिए ताकि हम अपनी संस्कृति विरासत को बरकरार रख सके एवं गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की भावनाओं को जीवित रख सके।

इस कार्यशाला में हिस्सा लेने वाली एक विद्यार्थीयों ने बताया की रवींद्रनाथ टैगोर की कविता हो या गाने या नृत्य उन में भाव सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है लेकिन धीरे-धीरे हम सब उसे दूर होते जा रहे हैं इस कार्यशाला में डॉक्टर सुमित बसु ने उसे भाव के बारे में बताया हमें अवगत कराया और हमें इस कार्यशाला में रविंद्र नृत्य और उसके भाव के बारे में काफी कुछ नया सीखने को मिला।

भारत में कला केंद्र के संपादक सौरभ चटर्जी ने कहा कि उनकी संस्था की तरफ से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार इस तरह के आयोजन को किया जाता है रानीगंज में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया यहां से कारवां उत्तर पाड़ा जाएगा इसके बाद सिलीगुड़ी कोचबिहार इसी तरह से हर जिले में इस तरह के कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा ताकि भारतीय संस्कृति को बढ़ावा मिल सके.

संजय झा बने जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: जदयू नेता सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा को जनता दल यूनाइटेड का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर जदयू कार्यकर्ताओं में हर्ष है। पीरपैंती प्रखण्ड जदयू अध्यक्ष सह एमएलसी प्रतिनिधि विवेकानंद गुप्ता, प्रदेश महासचिव श्रम एवं तकनीकी प्रकोष्ठ गोपाल कुमार सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष सुधीर कुमार पाण्डेय, कंचू राम, प्रवक्ता संदीप कुमार आर्य, पंकज कुमार सहित अन्य जदयू कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी है और उम्मीद जताया है की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वर्णिम कार्यकाल की तरह पार्टी में सभी वर्गों का सम्मान बरकरार रहेगा।

मौसम का बदला मिजाज झमाझम बारिश से आई खुशहाली

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के लोगों को आखिरकार तपती धूप व उमश भरी गर्मी से राहत मिल गई।

शनिवार की देर रात्रि से मौसम ने अपना करवट बदल लिया है, झमाझम कर पूरे क्षेत्र में बारिश हो रही है। जिससे यहां के लोगों को उमस भरी गर्मी व तपती धूप से राहत मिली है। वहीं झमाझम बारिश से किसानों की बांछे खिल गई है। किसान धान के बिचड़ा गिराने में अब लगातार पिछड़ रहे थे। इस बारिश से किसानों ने अब बिचड़ा गिराने की तैयारी आरंभ कर दी है। साथ हीं इस बारिश से धूप से जल रहे पशुओं के चारे एवं सब्जियां की खेती करने वाले किसानों को भी काफी फायदा हुआ है। बारिश नहीं होने की वजह से लगातार सब्जियों के पौधे मर रहे थे। जलस्तर नीचे जाने से किसान को पटवन करने में भारी परेशानी हो रही थी।

जिस बाबत बाजार में सब्जियों की आमद काम हो गई थी एवं उसके भाव में लगातार वृद्धि हो रही थी। कुल मिलाकर इस बारिश से चहुओर सभी को फायदा हुआ हैं।

दिल को देखो

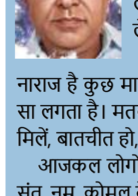

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: चेहरे बनाने की भी अपनी कला होती है। चेहरा मोहरा ही मनुष्य की आवश्यकताओं. अनिवार्यताओं और अवसरों का पता बताती हैं, न कि मन में क्या है उसका विवरण। अगर कोई बंदा बड़े आत्मविश्वास के साथ खड़ा है तो जानिए उसका मनचाहा काम हो गया या हो रहा है। दीनहीन बना हुआ है तो समझ लो आप फँसने वाले हो। गुस्से से भुनभुना रहा है तो जान लो उसका काम नहीं हुआ। इस तरह चेहरे कुछ अवसरवादी छायाचित्र प्रस्तुत करते हैं। बाबा का चेहरा मोहरा बड़ी लंबी दाढ़ी और केश तक तो सौम्य, साधारण और शांत लगता है व्यक्ति। डेढ़ लाख का चश्मा दो लाख की घड़ी और पाँच लाख का सूट इस चेहरे को सूट नहीं करता। लेकिन भक्त इस चेहरे की क्रूर हंसी के भजन गा रहे हैं। मोक्ष पा रहे हैं।

चेहरे को लेकर इन दिनों बड़ी समस्या हो गई है। सारे चेहरे पर दोहरे मास्क लगे उस पर आंखों का चश्मा। चेहरों पर के एक्सप्रेशन का पता ही नहीं चलता। हंस रहा है, नाराज है कुछ मालूम ही नहीं होता। चेहरे पर वैसे भी आजकल गलत एक्सप्रेशन आ रहे हैं। ऐसे में यूं छुपाना भी कोई असर नहीं डालेगा। इन चेहरों के जंगल में अपना चेहरा कहीं खो गया सा लगता है। मतलब चेहरा आपको लगातार मुगालते में रखता है। मास्क पहना चेहरा या बिना मास्क का, कोई फर्क नहीं पड़ता। सिर्फ चेहरे पर बेस करेंगे तो धोखा खा जाएंगे। पहले उनसे मिलें, बातचीत हो, दो-चार मुलाकात हो, तब जाकर उस चेहरे के स्वामी या स्वामिनी के बारे में कोई पक्की राय बन सकेगी।

आजकल लोगों, नेताओं, हालातों का अपना अलग अंदाज है। मन में कुछ, चेहरे पर कुछ और ने सिद्ध कर दिया कि "चेहरा हृदय का दर्पण है" कहना गलत है। अब देखिए! कितने साधु संत, नम्र, कोमल वेशभूषा अपनाते हुए, दिखावा करते हुए, शान्त से लगते हुए कितनों को घाट घाट का पानी पिला दिए। कुछ बाहर घूम रहे हैं, कुछ कृष्ण के जन्म स्थान का जायजा ले रहे हैं।

शादी के पहले मौनी संत सी लगने वाली लड़की शादी के बाद पत्नी ओहदा पाते ही शादी के पहले बहुत अधिक बोलने वाले बातूनी लड़के बनाम पति को मौनी बाबा बनने पर विवश कर देती है। यह चेहरे का कमाल ही नहीं, मंगलसूत्र का धमाल है। सावधान रहें, चेहरे मोहरे के चक्कर में न पड़ें, उसी में भलाई है क्योंकि न केवल साइबर क्राइम बल्कि सीधे आपके जेब से पैसे निकालने में यह चेहरे भी काफी कामयाब हैं। सतर्क रहें। सावधान रहें।

डॉ टी महादेव राव, विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

तुलना करें तो खुद से

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: जहाँ तुलना की बात आती है तो अर्थ, मकान, गाड़ी, गहने, कपड़े आदि-आदि का चिन्तन आता है। हम जानते है यह सब नश्वर है फिर भी हम अपना चिन्तन सही से नहीं कर पाते है। क्यों? क्योंकि हम भौतिकता की इस अंधी दौड़ में सही की और अग्रसर नहीं हो पाते है। जबकि सही में तुलना खुद की खुद से यानि अपने आज की अपने कल से कि करनी चाहिए। हम कल कैसे थे और आज कैसे हैं। कितना नकारात्मक कल सोचते थे और कितना सकारात्मक आज हो गए हैं। कितने दु:खी और अवसाद में कल थे और कितना आनंद और सुखी आज महसूस करते हैं। ये ही वास्तविक बिंदु जीवन में वास्तविक उन्नति के आत्मिक प्रगति के हैं। इसलिये जीवन की दिशा को मोड़ना सीखे, कुछ अपनाना और कुछ छोड़ना सीखे। सबका स्वभाव अलग-अलग होता है ।ऐसे में तुलना का परिहार करे तथा किसी की देखादेखी नही हो ऐसी भावना का मन में संचार करे। उम्र के साथ परिवर्तन घटित हो जाता हैं इसलिये भूलों की आलोचना हर क्षण करे। जीवन में उम्मीदों व आकांक्षाओं को अधिक महत्व न दे व न ही बढ़ाये। यदि जीवन जीना प्रसन्नता से हो तो अनासक्त बन खुशी से जीते जाओ। सबके कर्म अपने-अपने होते हैं, जिससे वह पुण्याई का उदय हो तो सब कुछ अच्छा भोगता है और जिसके पुण्याई का उदय न हो तो चाहते हुए भी वह शुभ का भोग नहीं कर सकता, दूसरे की देखा-देखी में जाकर तो दोबारा नए सिरे से द्वेष भाव से और ज्यादा कर्मों के बंधन को बढ़ा सकते हैं इसलिये हम तो विवेकपूर्वक अपने को मिले में संतुष्ट होकर हलुकर्मी बनते हुए अपने कर्मों को खपाने का लक्ष्य रखें, जिससे अतिशीघ्र मुक्तिश्री को प्राप्त कर पाएं। प्रतिस्पर्धा को छोड़कर हम प्रतिक्रिया विरति के द्वारा अपना आत्मकल्याण करें। अतः जीवन में कभी किसी से अपनी तुलना मत करो आप जैसे हैं सर्वश्रेष्ठ हैं ईश्वर की प्रत्येक रचना सर्वोत्तम है। कहा भी गया हैं MONEY CAN BRING COMFORT, BUT IT IS THE CONTENTMENT THAT BRINGS HAPPINESS.

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

पावस गीत

मेघों ने गाया है वृष्टि का गीत
पाया है चातक ने अपना मन मीत

पावस में थिरकते स्वाति के सुवन
हो रहा चंचल यह संन्यासी मन
किया निर्वाह सृष्टि ने सार्वभौम रीत
पाया है चातक ने अपना मन मीत
मेघों ने गाया है वृष्टि का गीत

श्याम मेघ देख नृत्य-मगन है मयूर
तृष्णा की मरुथली भाग चली दूर
शीत पवन बूंदों संग सुनाये संगीत
पाया है चातक ने अपना मन मीत
मेघों ने गाया है वृष्टि का गीत

हर्ष से भरा भरा है मानस दर्पण
नभ करता अंजुली में अमृत अर्पण
धरा और मेघमाल में हो रही है प्रीत
पाया है चातक ने अपना मन मीत
मेघों ने गाया है वृष्टि का गीत

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

ख़ूबरू थे हम भी कभी सच

ख्याल किसी का का कभी
हम भी हुआ करते थे।
ख़ूबरू थे हम भी कभी सच
ब कमाल हुआ करते थे।
किसी की गोर व फ़िक्र में दिन
रात अपने लगा देते थे।
सच कहूं किसी का इंतेज़ार
हम भी हुआ करते थे।
हमारा तआक़ूब किया करती
थी हजारों नज़रें ही।
अहम खबरों में शहर की कभी
हम भी हुआ करते थे।
हमारे होने न होने से उन्हें अब
कोई फर्क नही पड़ता।
कभी हमारे बिना बाखुदा वो
तो बेजान हुआ करते थे।
चांदनी रातें हमको भी कभी
भली सी लगतीं थीं।
रातों को अक्सर तारे हम, तुम
भी तो गिना करते थे।
लोग नाम से तेरे ही उन दिनों
मुझको बुला लेते थे
के नाम तेरा कभी मुश्ताक़ हम
भी तो हुआ करते थे।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
"सहज़" हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

एफ के सी सी आई के अध्यक्ष रमेशचंद्र लोहाटी के कर कमलों द्वारा कवयित्री व लेखिका रीता सिंह की पुस्तक "दर्पण झूठ न बोले" का हुआ लोकार्पण

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (बेंगलुरु): 28 जून को रीता सिंह की पुस्तक "दर्पण झूठ न बोले" का लोकार्पण एफ के सी सी आई के अध्यक्ष रमेशचंद्र लोहाटी के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ| राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित को रीता सिंह ने बताया कि इस पुस्तक लोकार्पण में एफ सी सी आई के अध्यक्ष रमेश चंद्र लोहाटी, चेयरमैन एस चम्पत रमन, एम जी बालकृष्णन, उमा रेड्डी, पी एच राजपुरोहित व चेबर्स के सभी सदस्यों के साथ साथ सतपाल सिंह, अभिषेक सिंह, शिवानी सिंह, प्रवल प्रताप सिंह राणा प्रवल उपस्थित थे| जैसा कि पुस्तक का नाम है "दर्पण झूठ न बोले" उसी नाम के अनुरूप इस काव्य संग्रह में समाज को आईना दिखाती हुईं कई कविताओं, गीत और भजनो का समावेश है| रमेशचंद्र लोहाटी ने रीता सिंह को उनकी पुस्तक दर्पण झूठ न बोले के लिये शुभकामनायें व बधाई दी| इस अवसर पर रीता सिंह ने रमेश चंद्र को लोहाटी को अपनी पुस्तक "वीरांगनाये" भी भेंट की| "वीरांगनाये" में राष्ट्र की उन वीरांगनाओ की कथाएं हैं जिन्होंने राष्ट्र के लिये अपने प्राणों का बलिदान कर दिया|

गांव ह गांव होथे

हव संगी गांव ह गांव होथे,
घाम होथे त संग म छांव होथे,
बिहिनिया होइस त खांव खांव होथे,
सुत के उठना अउ बुता ल करना,
बिन मतलब के नइ रहय कुकुर कस किंदरना,
नता अउ रिस्ता के भरे रथे खजाना,
जम्मो घर आना अउ जम्मो घर जाना,
मांगे म गोरस मिलथे अउ मांगे म साग भाजी,
एक रथे नर निया सबो रहिथे राजी,
एके कनिक म झगरा अउ
एके कनिक म हांव हांव होथे,
हव संगी गांव ह गांव होथे,
भूख ल सहे के अगोरा नइ होवय,
घर साग नइ हे कहिके लइका नइ रोवय,
खंधे म नून चाउर परोसी हर देथे,
मीठ गोठ गोठिया के पीरा हर लेथें,
फेर बिहिनिया होइस त खांव खांव होथे,
हव संगी गांव ह गांव होथे,
मिरचा के चटनी अउ रथीहा के बासी,
झन पूंछ संगी कतका हे मिठासी,
जिनगी ल तारत हे अउ गर्मी ल मारत हे,
खेत गय किसान ह भुइयां ल चतवारत हे,
बने कुछु करे त सबके मुंह म नाव होथे,
हव संगी गांव ह गांव होथे,
मन्दरसा बंद होइस तहां
लइका मन के गांव जांव होथे,
हव संगी गांव ह गांव होथे।

नम्मू पामगढ़िया
पामगढ़ छग
कोलफील्ड मिरर

दोस्ती

दोस्ती का एक
नया रिश्ता बनाएँगे।
महबूब से ज्यादा
आपको चाहेगे।
जिस्मों के बाजार में
आपकी रूह से
रिश्ता बनाएँगे।
रूठ गया
अगर वक्त तो
उसको भी
आपके लिए मनाएगे।
छोड़ जाएगा जब
आपके अपने
तो भी हम
दिल से रिश्ता निभाएगे।

डॉ. राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

राष्ट्रपति द्वारा संसद के संयुक्त सत्र को संबोधन में पेपर लीक की गूंज-परीक्षा में सुचिता व पारदर्शिता बहुत जरूरी

भारत में पेपर लीक मामले-अब बातें नहीं शैक्षणिक बुलडोजर की जरूरत-फास्ट ट्रैक कोर्ट में तीन माह में फैसले की जरूरत

राष्ट्रपति के अभिभाषण में पेपर लीक मामले में कड़ी सजा सुचिता व पारदर्शिता की प्रतिबद्धता सराहनीय-हर राज्य को सख्त कानून बनाना जरूरी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में प्रतिष्ठित भारतीय बौद्धिक क्षमता का डंका कहीं हमारे आगे की पीढ़ियों में कम ना हो जाए, इसकी आशंका बुद्धिजीवी वर्ग व्यक्त कर रहे हैं, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह पेपर लीक मामले आ रहे हैं, उसे यह अंदेशा साफ लगाया जा सकता है कि, अब अपात्र असक्षम व अयोग्य व्यक्तियों की घुसपैठ बड़ी मात्रा में बड़े-बड़े सरकारी गैर सरकारी व प्रोफेशनल व्यवसाय में हो रही है जो स्वाभाविक ही प्रतिष्ठित भारतीय बौद्धिक क्षमता के डंके को चोट पहुंचा सकती है। क्योंकि यदि आरोग्य लोग डॉक्टर इंजीनियर आईआईटी सिविल सर्विसेज सहित अन्य उपाधियां लेकर आ आएंगे तो स्वाभाविक रूप से उनका परफॉर्मेंस अपेक्षाकृत नहीं होगा वैश्विक मानकों पर खरा नहीं उतरेगा तो भारत की प्रतिष्ठा धूमिल होगी, जिसका सीधा प्रभाव विजन 2047 पर पड़ेगा, इसलिए अब समय आ गया है कि इन पेपर लीक माफियाओं की नकेल अति सख्ती से कसी जाए,इसके लिए मेरे विचार में यह सुझाव आ रहे हैं, जिनपर संभव हो तो सरकारों द्वारा विचार किया जा सकता है।(1) पेपर लीक मामले पर भी बुलडोजर नीति अपनाना (2) हर राज्य में यूपी पेपर लीकअध्यादेश मॉडल कानून करना (3) फास्ट ट्रैक कोड बनाना जो तीन माह में सुनवाई कर फैसला दे (4) यह फैसले की फास्ट ट्रैक कोर्ट, सभी अपीलीय कोर्टों व प्राधिकरण में करना (5) शिक्षा माफियाओ को चिन्हित कर उनकी चैनल को तोड़ना (6) पेपर के सब्सडायरी चैनलो जैसे ट्रांसपोर्टेशन भंडारण वितरण को अति सख्त करना (7)पेपर मॉडल बनाने वालों का चयन अति सुचिता योग्यता व तकनीकी सुरक्षा से करना (8) अल्टरनेट पेपर सेटों की संख्या में वृद्धि करना (9) शिक्षा क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों की छिपी अघोषित संपत्तियों का संज्ञान लेकर कार्रवाई की सिफारिश करना (10) पेपर लीक आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की धाराएं लगाना सहित इससे भी सख्त कार्रवाई के सेक्शंस को जोड़ा जा सकता है।यह बात आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि मेरी जानकारी में शायद है पहली बार हो रहा है कि माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा 27 जून 2024 को संसद के संयुक्तसत्र में अपने संबोधन में पेपर लीक का मुद्दा उठाया है व कार्रवाई की बात कही है, जो पूरी दुनिया ने सुनी है। इसलिए मेरे उपरोक्त सुझावों पर गौर करने की अपेक्षा में करता हूं, तथा सबसे अहम बात आरोपियों को न्यायिक प्रणालियों में लंबा समय मिल जाता है जो उनके छूट/एक्यूटल या वह मामला रफ़ादफा होने का प्रमुख कारण बन जाता है इसलिए निचली कोर्ट से लेकर ऊपरी कोर्ट तक इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में निपटना व अपीलीय कोर्ट व प्राधिकरण सहित अधिकतम तीन माह में फैसले पर विचार करना होगा। चूंकि आज संसद के दोनों सत्रों में राष्ट्रपति के संबोधन में पेपर लीक का मामला गूंजा इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत में पेपर लीक मामले अब बातें नहीं शैक्षणिक बुलडोजर चलाने की जरूरत है तथा फास्ट्रेक कोर्ट में तीन माह में फैसले की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 27 जून 2024 को संसद के संयुक्त सत्र में संबोधन में पेपर लीक मामले पर बोलने की करें तो, संयुक्त अभिभाषण के दौरान नीट पेपर लीक को लेकर बात की। इस दौरान विपक्ष ने जमकर शोर मचाया, उन्होंने कहा हमारी सरकार देश के हर युवा को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए सही माहौल बनाने में जुटी हुई है।राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने 'नीट-नीट' के नारे लगाए। इस दौरान राष्ट्रपति को विपक्षी सांसदों को सुनिए-सुनिए तक कहना पड़ा।राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित अवसर मिले। सरकारी भर्ती हो या फिर परीक्षाएं, इनमें अगर किसी भी वजह से रुकावट आए तो ये उचित नहीं है। इन परीक्षाओं में शुचिता और पारदर्शिता बहुत जरूरी है। पेपर लीक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में कुछ परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं हुईं, जिनकी निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमने कई राज्यों में पहले भी पेपर लीक की घटनाओं को होते हुए देखा है। इस मुद्दे पर दलीय राजनीति से ऊपर उठकर देशव्यापी उपाय करने की जरूरत है। संसद ने परीक्षा में होने वाली गड़बड़ियों के खिलाफ एक सख्त कानून बनाया है। सरकार परीक्षाओं से जुड़ी संस्थाओं, उनके कामकाज, परीक्षा प्रक्रिया समेत सभी सुधार करने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रपति द्वारा पेपर लीक काजिक्र करने के दौरान विपक्ष जमकर नारेबाजी करते हुए नजर आया।राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 10 सालों में ऐसे हर अवरोध को हटाया गया है, जिनसे युवाओं को परेशानी रही है। पहले अपने सर्टिफिकेट को अटैच करने के लिए भटकना पड़ता था। अब युवा खुद ही ये काम कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ग्रुप-सी और ग्रुप डी भर्तियों से इंटरव्यू को खत्म किया गया है। उन्होंने अपने अभिभाषण में कहा कि संसद ने पेपर लीक पर कड़ा कानून बनाया है। यह कानून 21 जून की रात से देशभर में लागू हो चुका है। नए कानून के तहत पेपर लीक करने या आंसर शीट केसाथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल की जेल और 10 लाखरुपये का जुर्माना हो सकता है। सरकार की तरफ से नए कानून का मकसद परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों को रोकना है। नए पेपर लीक कानून के दायरे में लोक संघ लोक सेवा आयोग, एसएससी, जेईई,नीट, सीयूईटी, रेलवे बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं और एनटीए की तरफ से आयोजित सभी परीक्षाएं सख्ती साथ के कवर होंगी।

साथियों बात अगर हम यूपी में लाए गए पेपर लीक संबंधी 2024 के नए अध्यादेश की करें तो यूपी में पेपर लीक की घटनाओं पर सरकार सख्त तेवर दिखाते हुए अध्यादेश लाई है, जिसके तहत पेपर लीक में दोषी पाए जाने पर एक करोड़ रुपये के जुर्माने से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है।सीएम के कड़े तेवरों ने साफ कर दिया है कि यूपी में पेपर लीक की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। अब परीक्षा में होने वाले खर्च की भरपाई भी सॉल्वर गैंग से वसूलने की तैयारी की गई है। इसमें दोषियों की संपत्ति तक को कुर्क किया जा सकता है।लोकसभा चुनाव से पहले यूपी में कई भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ीके मामले सामने आएथे,जिसके बाद सीएम नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त एक्शन लेने का वादा किया था। चुनाव से ठीक पहले यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा तक को रद्द करना पड़ा था।विपक्षी दलों ने इसे चुनाव में बड़ा मुद्दा भी बनाया और इसका असर भी देखने को मिला।

साथियों बात अगर हम पेपर लीक मामले में 27 जून 2024 को पूरे देश में आक्रोश की करें तो मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर देशभर में आक्रोश है। छात्र सड़कों पर उतरकर सिस्टम के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में कई याचिकाएं भी लगाई गई हैं। अब नीट पेपर लीक का मामला संसद में भी गूंजने वाला है। शुक्रवार (28 जून) को बड़ी पार्टी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन लोकसभा और राज्यसभा में नीट विवाद पर स्थगन प्रस्ताव लासकती है। पार्टी अध्यक्ष के आवास पर हुई इंडिया गठबंधन दलों की बैठक में ये फैसला लिया गया है।सरकारी सूत्रों ने कहा कि नीट मुद्दे पर सीबीआई की जांच से लेकर स्पेशल कमिटी बनाने तक हर संभव कार्रवाई की गई है। कमिटी की रिपोर्ट जल्द आने की उम्मीद है। साथ ही एंटी पेपर लीक कानून लागू होने से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित हो गई है। इससे एक मजबूत एजुकेशन सिस्टम की नींव भी रखी जा सकेगी। वहीं दूसरी ओर नीट पेपर लीक के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ता एनटीए के दफ्तर में घुस गए हैं। कार्यकर्ताओं ने नारे लगाते हुए एनटीए के गेट पर अंदर से ताला लगा दिया।अब तक सीबीआई ने 6 में से 5 राज्यों में कुल 29 गिरफ्तारियां की हैं। बिहार के पटना से दो को आज गिरफ्तार किया गया है।मास्टरमाइंड फरार बताया जा रहा है। गुजरात से 5 गिरफ्तारियां हुई हैं। महाराष्ट्र के लातूर से दो को अरेस्ट किया गया है। झारखंड से 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।पश्चिम बंगाल से एक आरोपी को पकड़ा गया है। बता दें कि विवादनेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 5 मई को नीट (यूजी) एग्जाम करवाया था। परीक्षा में कुल 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। परीक्षा में बहुत ज्यादा नंबर दिए जाने के आरोप लगे हैं।इस वजह से इस साल रिकॉर्ड 67 कैंडिडेट्स ने परफेक्ट स्कोर के साथ टॉप रैंक हासिल किया है। पिछले साल टॉप रैंक पर मात्र दो स्टूडेंट आए थे। ऐसे में स्टूडेंट्स का आरोप है कि कई कैंडिडेट्स के मार्क्स प्लान के तहत घटाए और बढ़ाए गए हैं। दूसरी ओर, 6 सेंटर में एग्जाम कराने में देरी हुई।समय की बर्बादी की भरपाई के लिए ऐसे सेंटरों में कम से कम 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स भी दिए गए, जो जांच के दायरे में हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राष्ट्रपति द्वारा संसद के संयुक्त सत्र को संबोधन में पेपर लीक की गूंज-। परीक्षा में सुचिता व पारदर्शिता बहुत जरूरी। भारत में पेपर लीक मामले-अब बातें नहीं शैक्षणिक बुलडोजर की जरूरत फास्ट ट्रैक कोर्ट में तीन माह में फैसले कीजरूरत राष्ट्रपति के अभिभाषण में पेपर लीक मामले में कड़ीसजा सुचिता व पारदर्शिता की प्रतिबद्धता सराहनीय-हर राज्य को सख्त कानून बनाना जरूरी है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

हिन्दी को बचाना है तो शिक्षकों को ठीक से पढ़ना-पढ़ाना होगा

कोलफील्ड मिरर 01 जुलाई 2024: हिन्दी हमारी गौ पट्टी में बड़ी ही दीन-हीन स्थिति में है। उसकी चमक-दमक ग़ायब है। कोई छात्र हिन्दी पढ़ना नहीं चाहता। स्कूल हिन्दी पढ़ाना नहीं चाहते। माता-पिता और अभिभावक अपने बच्चों को हिन्दी नहीं, अंग्रेजी पढ़ाना चाहते हैं। अनपढ़ आदमी भी यदि किसी वस्तु के हिन्दी और अंग्रेज़ी, दोनों नाम जानता है तो वह अंग्रेज़ी नाम ही बोलता है, फिर चाहे उसका उच्चारण सदोष ही क्यों न हो।

इस दुर्गति का सबसे बड़ा दोषी कौन है? मेरी दृष्टि में इसका सबसे बड़ा अपराधी हिन्दी पढ़ाने वाले शिक्षक हैं। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि हमारे आधे से अधिक हिन्दी शिक्षकों को ठीक से शिक्षक बोलना भी नहीं आता होगा। वे या तो 'सिच्छक' बोलते हैं या 'सिक्सक'। भाषा का प्राथमिक रूप है वाक्। भाषा सुनकर सीखी जाती है। इसीलिए अनपढ़ आदमी को भी सुनकर भाषा समझना और बोलना आता है। लेकिन तब क्या होगा, जब भाषा सिखाने वाला शिक्षक ही अमानक, अशुद्ध भाषा बोले? हिन्दी की चमक-दमक उतारकर भदेस, विकर्षक रूप में अपने शिष्य के समक्ष प्रस्तुत करने वाले शिक्षक ने उसे प्रथम सोपान पर ही अग्राह्य बना दिया।

हिन्दी की लिपि नागरी में अक्षरों (अच्छरों नहीं) की संख्या अधिक है। अंग्रेज़ी की लिपि रोमन में केवल 26 लेटर हैं। नागरी में 52 से अधिक। इसलिए शुरू-शुरू में हर छात्र को अंग्रेज़ी सरल लगती है। 26 लेटर सीख लो, अंग्रेज़ी आ गयी! किन्तु ऐसा है नहीं। अंग्रेज़ी में हर शब्द की वर्तनी रटनी पड़ती है। हिन्दी और इतर भारतीय भाषाओं में बारहखड़ी सीखना महत्वपूर्ण है। वह सीख लेने पर आपको जो अभिप्रेत है, वह सीधे लिखा जा सकता है। रटने की आवश्यकता नहीं, केवल बोलना आना चाहिए। हिन्दी सुनना, समझना, बोलना हमें आता है। उसे पढ़ना और लिखना ही सीखना होता है। वह भी हमारे भाषा- शिक्षक नहीं सिखा पाते! कितनी भारी विडम्बना है।

हिन्दी पढ़ना और लिखना सिखाने के लिए धैर्य और अनवरत प्रयास की आवश्यकता होती है। कितने शिक्षक यह कर सकते हैं? आजकल धैर्य ही दुर्लभ हो गया है। सबको फटाफट परिणाम चाहिए।

बच्चों को हिन्दी पढ़ना-लिखना सिखाने में कम से कम दो वर्ष का समय लगता है। उनके सामने भाषा का जीता-जागता रोल मॉडल बनना पड़ता है। सारा शिक्षण बोलने, पढ़ने, लिखने और बोलकर पढ़ने पर आधारित रहता है। शिक्षक बोले, पाठ पढ़े और पढ़वाए, उसे लिखवाए और छात्र के लिखे हुए को उसी से पढ़वाए। इतनी मेहनत करें तो छात्र हिन्दी सीख पाएं। शिक्षकगण हर छात्र के साथ इतनी मेहनत करेंगे! इसमें संदेह है।

इससे भी बड़ी समस्या है स्वरों को छोटा और बड़ा कहकर पढ़ाने की। हमारे शिक्षक पढ़ा रहे हैं छोटा अ, बड़ा आ, छोटी इ, बड़ी ई। दोनों वर्णों के लिए उनका किया हुआ उच्चारण तो एक ही रहता है। इसमें छोटा या बड़ा क्या है? अबोध छात्रगण इसे कैसे समझेंगे? हमारी पीढ़ी ने हिन्दी अच्छे से सीख ली, क्योंकि हम अ, आ, इ, ई, उ, ऊ ही पढ़ते थे। हमारे शिक्षक छोटा आ बड़ा आ नहीं बोलते थे।

शिक्षक और छात्र के मध्य निर्माता और निर्मिति का संबंध होता है। समर्पित निर्माता सदैव यही चाहता है कि उसकी निर्मिति एकदम आदर्श हो। कबीर ने इसीलिए कुम्हार और कुम्भ के रूपक से इस सम्बन्ध को रेखांकित किया है। 'गुरु कुम्हार सिष कुम्भ है गहि-गहि काढ़ै खोट। अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाबा चोट।' गुरु रूपी कुम्हार को तब तक तसल्ली नहीं होगी, जब तक कि उसका शिष्य रूपी कुम्भ बिलकुल सही रूपाकार न ग्रहण कर ले। क्या यह आकांक्षा हमारे शिक्षकों में रहती है?

यदि उक्त आकांक्षा हिन्दी शिक्षकों में हो तो वे क्या करेंगे? वे प्रत्येक छात्र से पाठ पढ़ाएंगे। हर छात्र से लिखवाएंगे। हर छात्र की लिखी हुई सामग्री का एक-एक अक्षर ध्यान से पढ़कर उसे आदर्श लेखन के लिए प्रेरित करेंगे। यदि छात्र ने वर्तनी या वाक्य-रचना में कोई त्रुटि की हो तो उसे दूर करवा कर बार-बार अभ्यास कराएंगे, ताकि उस त्रुटि की पुनरावृत्ति न हो। इतना परिश्रम करने के बाद भी हिन्दी का शिक्षक कृतकार्य नहीं हो सकता। उसे अपने छात्रों के मन में उस विशाल साहित्य को पढ़ने की ललक भी जगानी होगी जो भाषा के कलेवर में विद्यमान है। उस साहित्य के माध्यम से हमारी संस्कृति, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन, अध्यात्म, धर्म आदि की विरासत हम तक पहुँची है। हिन्दी का शिक्षक यदि इस अमूल्य निधि की झलक अपने छात्रों को दिखला दे और उस दिशा में बढ़ने यानी पुस्तक पढ़ने की भूख उनके मन में जगा दे तो पढ़ने- लिखने, मुद्रण-प्रकाशन का सतत क्रम चलता रहे। हम किसी को वह वस्तु या गुण नहीं दे सकते, जो हमारे पास न हो। अतः सर्वप्रथम हमारे शिक्षकों को उक्त सभी गुण अर्जित करने होंगे। इसके लिए सतत परिश्रम करना जरूरी है।

चूंकि आज के शिक्षक इतना परिश्रम नहीं कर रहे हैं, इसलिए हिन्दी के प्रति छात्रों में कोई रुचि और अनुराग नहीं जाग रहा। छात्र हिन्दी को ठीक से सीख नहीं पा रहे। हिन्दी का साहित्य पढ़ने में भी किसी की रुचि नही। जो काम हमसे नहीं हो पाता, उसे करने का मन भी नहीं करता। यह स्थापित सत्य है। हमें ठीक से आता नहीं, तो हम करते नहीं। हम करते नहीं, इसलिए हमें ठीक से आता भी नहीं। हिन्दी पढ़ाने और सीखने के मामले में यही दुष्चक्र चलता रहता है। इसका एक दूरगामी दुष्परिणाम है हिन्दी पुस्तकों के प्रति अरुचि। हिन्दी के पाठक निरन्तर कम होते जा रहे हैं। लेखक ही आपस में एक-दूसरे का लिखा पढ़-समझ लेते हैं। नये पाठक बहुत कम बन रहे हैं। इसके फलस्वरूप हिन्दी का प्रकाशन-जगत और पुस्तक उद्योग, पुस्तकालय आदि विलुप्त होने के कगार पर हैं।

कुल मिलाकर हिन्दी को जिलाए रखने, आगे बढ़ाने और लोकप्रिय बनाने का जिम्मा हिन्दी शिक्षकों के सिर है। वे एकजुट होकर, पूरे मनोयोग से प्रयास नहीं करेंगे तो दुनिया की कोई ताकत हिन्दी के ह्रास को रोक नहीं सकती।

डॉ. रामवृक्ष सिंह
लखनऊ